दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

www.sachbedhadak.com | twitter.com/sachbedhadak | facebook.com/sachbedhadak
YouTube: youtube.com/@sachbedhadak | Instagram: instagram.com/sach_bedhadak

नवकंजलोचन कंज-मुख कर-कंज पद-कंजारुणम्।।

रामज्योति से जगमग देश

विधि विधान से रामलला की प्राण प्रतिष्ठा

496 साल का इंतजार खत्म...

अयोध्या में विराजे प्रभु श्रीराम

एजेंसी | अयोध्या

राम भक्तों का करीब 500 साल का लंबा इंतजार सोमवार को खत्म हो गया। प्रभु श्रीराम अब अयोध्या में विराजमान हो गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रामलला को गर्भगृह में प्राण-प्रतिष्ठित किया। उन्होंने 84 सेकंड के शुभ मुहूर्त में रामलला के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा की। उन्होंने विग्रह के आंखों पर बंधी पट्टी खोली और हाथ में कमल का फूल लेकर पूजन किया। रामलला को काजल लगाया। इसके बाद आरती उतारकर पीएम मोदी दंडवत हो गए।

इस मौके पर पीएम के साथ आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत और उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, राज्यपाल आनंदी बने भी मौजूद रहे। इसके बाद पीएम मोदी कुबेर टीला पहुंचे। यहां उन्होंने प्राचीन शिव मंदिर में पूजा अर्चना की। जटायू की मूर्ति का अनावरण किया। फिर वे उन श्रमिकों के बीच पहुंचे, जिन्होंने राम मंदिर निर्माण में काम किया। पीएम मोदी ने मजदूरों पर पुष्प वर्षा की। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद पीएम मोदी ने राम भक्तों को भी संबोधित किया। समारोह के दौरान भक्तों और मेहमानों ने 'जय श्री राम' के नारे लगाए।

प्राण प्रतिष्ठा के बाद भावुक हुए PM, बोले...

अब टेंट में नहीं रहेंगे रामलला...

अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद पीएम नरेंद्र मोदी भावुक नजर आए। उन्होंने अयोध्या में अपने भाषण में कहा कि कितना कुछ कहने को है, लेकिन कंठ अवरुद्ध हैं। हमारे राम आ गए हैं। सदियों के संघर्ष और प्रतीक्षा के बाद हमारे राम आए हैं। पीएम मोदी ने कहा कि मेरा कंठ अवरुद्ध है, चित्त अभी भी उस पल में लीन है। हमारे रामलला अब टेंट में नहीं रहेंगे। वे दिव्य मंदिर में रहेंगे। पीएम मोदी ने कहा कि 22 जनवरी, 2024 एक तारीख नहीं बल्कि एक नए कालचक्र का उद्गम है। राम मंदिर के भूमि पूजन के बाद से प्रतिदिन पूरे देश में उमंग और उत्साह बढ़ता ही जा रहा है। आज हमें श्रीराम का मंदिर मिला है। गुलामी की मानसिकता को तोड़कर उठ खड़ा होता राष्ट्र नए इतिहास का सृजन करता है। पीएम ने कहा कि आज के समय में कोई भी छोटा नहीं है। जो भी ऐसा सोचता है, उसे श्रीराम के लिए गिलहरी के योगदान को याद करना चाहिए। पीएम मोदी ने कहा, 'आज से हजार साल के बाद भी लोग इस तारीख की चर्चा करेंगे। यह राम की कृपा है कि हम सब इस पल के साक्षी हैं। ये समय सामान्य समय नहीं है। ये काल के चक्र पर सर्वकालिक स्याही से अंकित हो रहीं अमिट स्मृति रेखाएं हैं।' उन्होंने रामभक्त हनुमान के साथ ही माता जानकी, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न सभी को प्रणाम किया।

चांदी का 'छत्र' और वस्त्र लेकर पहुंचे मोदी: प्राण प्रतिष्ठा समारोह में जब पीएम मोदी पहुंचे तो उनके हाथों में वस्त्र और छत्र था। प्रधानमंत्री लाल मुड़े हुए दुपट्टे पर चांदी का 'छत्र' रखकर मंदिर परिसर के अंदर गए। अनुष्ठान के दौरान आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत, उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी गर्भगृह में मौजूद थे।

■ पेज 3-6-8 भी देखें

अयोध्या में अब रामराज्य: योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रामलला के दिव्य धाम में पधारने के लिए सभी को बधाई देते हुए कहा कि 500 सालों के इंतजार के बाद मन भावुक है। मुझे शब्द नहीं मिल रहे। आज भारत का हर नगर हर ग्राम अयोध्या धाम है। हर जीह्वा राम राम जप रही है। ऐसा लगता है हम त्रेता युग में आ गए हैं। आज रामलला सिंघासन पर विराजे हैं। आखिर भारत को इसी दिन की प्रतिक्षा थी। आज आत्मा प्रफुल्लित हैं, क्योंकि मंदिर वहीं बना है, जहां के लिए प्रतिज्ञा ली थी।

अब नया भारत खड़ा होगा: भागवत

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान भागवत ने कहा कि अयोध्या में भगवान राम की वापसी के साथ, भारत का गौरव लौट आया है। आज रामलला वापस फिर से आए हैं, पांच सौ वर्ष के बाद। जिनके त्याग, तपस्या, प्रयासों से आज हम यह स्वर्ण दिवस देख रहे हैं, उनका स्मरण प्राण-प्रतिष्ठा के संकल्प में हमने किया। आज अयोध्या में रामलला के साथ भारत का स्वर लौट कर आया है। पूरे विश्व को त्रासदी से राहत देने वाला एक नया भारत खड़ा होके रहेगा। आज का कार्यक्रम इसका प्रतीक है। उन्होंने कहा कि जोश की बातों में होश की बातें करने का काम मुझे सौंपा जाता है। श्री रामलला तो आ गए, अब रामराज्य लाने की जिम्मेदारी रामभक्तों की है।

7000 से ज्यादा VVIP पहुंचे अयोध्या

इस मौके का साक्षी बनने के लिए सात हजार से ज्यादा वीवीआईपी भी अयोध्या पहुंचे। फिल्मी हस्तियों में बॉलीवुड अभिनेता अमिताभ बच्चन, अभिषेक बच्चन, रजनीकांत, चिरंजीवी, रणबीर कपूर, आलिया भट्ट, माधुरी दीक्षित, रणबीर कपूर-आलिया भट्ट, रणदीप हुड्डा और पत्नी लिन लैशराम, विक्की कौशल और पत्नी कटरीना कैफ, सिंगर सोनू निगम, हरिहरन, शंकर महादेवन, डायरेक्टर-प्रोड्यूसर सुभाष घई, राजकुमार हीरानी और मधुर भंडारकर, क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर समेत कई हस्तियां प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल हुईं।

परिवार के साथ पहुंचे मुकेश अंबानी

अयोध्या में प्रभु श्रीराम के भव्य उद्घाटन समारोह में देश के सबसे अमीर कारोबारी मुकेश अंबानी का परिवार भी पहुंचा। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी, नीता अंबानी के साथ पूरा परिवार विशेष विमान से सोमवार सुबह अयोध्या पहुंचा और रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा के गवाह बने। इस दौरान दोनों वीवीआईपी गैलरी में बैठकर गर्भगृह में पूजा का लाइव टेलीकॉस्ट मोबाइल पर देखते नजर आए। समारोह के बाद नीता अंबानी ने भी जय श्रीराम के नारे लगाए।

'रामज्योति' से जगमग हुआ प्रधानमंत्री आवास

अयोध्या से लौटकर पीएम मोदी ने प्रधानमंत्री आवास में दीपक जलाकर भगवान राम का स्वागत किया। उन्होंने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल से इसकी तस्वीरें भी साझा की हैं। इससे पहले पीएम मोदी ने एक अन्य एक्स पोस्ट में देशवासियों से अपने-अपने घरों में रामज्योति प्रज्वलित कर भगवान राम का स्वागत करने की अपील की। उन्होंने इस अपील के साथ राम मंदिर के अनुष्ठान वाली वीडियो भी शेयर किया था।

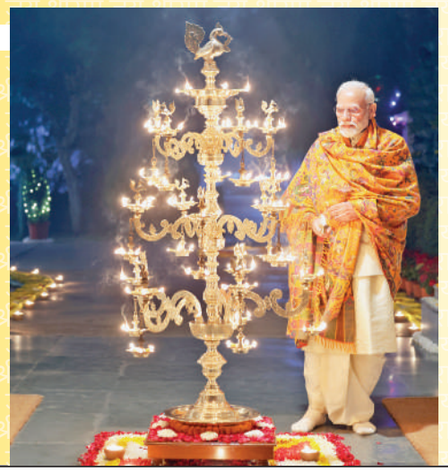

मुख्यमंत्री भजनलाल ने देखा प्राण प्रतिष्ठा समारोह का सीधा प्रसारण

सीएम ने राम दरबार में नवाया शीश

भजन सरकार करेगी साधु-महंत और पुजारियों को सम्मानित

बेधड़क | जयपुर

रामभूमि पर शंखनाद और श्रीराम की जयघोष के बीच सोमवार को श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा हुई। संकल्प से सिद्धि, हर्ष और उत्कर्ष के दिन इस युगांतर और अलौकिक क्षण को देखकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शीश नवाया। जयपुर के प्रतापनगर स्थित प्रेम मंदिर से मुख्यमंत्री ने रामभक्तों के साथ प्राण प्रतिष्ठा समारोह का सीधा प्रसारण देखा।

इस मौके पर सीएम ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा संत-महंत एवं पुजारियों का सम्मान किया जाएगा। वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना के अंतर्गत अयोध्या में श्री राम मंदिर के दर्शन कराए जाएंगे। प्रतापगढ़ के सीतामाता वन्य जीव अभ्यारण्य में वनपथ, पुलिया निर्माण तथा पर्यटकों एवं श्रद्धालुओं की सुविधाओं के लिए विकास कराने के साथ कई कार्य होंगे।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सकल मनोरथ के दिन देश में नए सांस्कृतिक युग की शुरुआत हुई है। आज अयोध्या में ही नहीं बल्कि हर व्यक्ति के मन में श्रीराम विराजमान हुए हैं। सीएम ने कहा कि श्रीराम के राघव रूप को देखकर वर्षों का स्वप्न साकार हुआ है। राम हमारे रोम-रोम में हैं। इससे पहले उन्होंने मंदिर में पूजा-अर्चना भी की। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को राम दीपावली पर शुभकामनाएं देकर कहा कि दुनिया आज रामलला का ऐतिहासिक धार्मिक उत्सव मना रही है। उन्होंने कहा कि श्रीराम ने अपने जीवन में सत्य, धर्म और प्रेम मूल्यों का पालन किया है, उसी तरह हमें भी उनके जीवन मूल्यों को आत्मसात कर सशक्त व नैतिक समाज के निर्माण में अहम जिम्मेदारी निभानी चाहिए।

प्रदेश की खुशहाली की कामना

प्रेम मंदिर पर सीधा प्रसारण देखने पहुंचे श्रद्धालुओं की आंखें श्रीरामलला की पहली अद्भुत छवि देखते हुए नम हुईं। यहां मंदिर ट्रस्ट द्वारा मुख्यमंत्री का स्वागत अभिनंदन किया गया। मुख्यमंत्री ने मानसरोवर के मंगल मंदिर (राम दरबार) और देहलावास बालाजी मंदिर में भी विधिवत पूजा-अर्चना की। उन्होंने प्रदेश में खुशहाली और सुख समृद्धि के लिए कामना की।

राम के रंग में रंगी छोटी काशी

अयोध्या के साथ ही छोटी काशी में भी रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का जश्न मनाया गया। राजधानी जयपुर के विभिन्न मंदिरों में कई धार्मिक कार्यक्रम हुए। जगह-जगह शोभायात्रा निकाली गई। इस दौरान बड़ी चौपड़ से लेकर रामगंज चौपड़ तक ऊंट-घोड़ों के साथ शोभायात्रा निकाली गई। अल्बर्ट हॉल पर राम मंदिर के जैसा 35 फीट ऊंचा मंदिर का स्वरूप बनाया गया। उसे देखने के लिए बड़ी संख्या में शहरवासी पहुंचे। अल्बर्ट हॉल पर एक लाख 11 हजार दीपकों से महाआरती की गई। महाआरती के साथ ही यहां सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। सिंगर रविंद्र उपाध्याय समेत कई कलाकारों ने भजनों की प्रस्तुति दी। इसके साथ ही 300 ड्रोन से आसमान में भगवान श्रीराम का स्वरूप बनाया गया। सार्वजनिक स्थान पर इस प्रकार का आयोजन पहली हुआ, जिसे 3 से 4 किमी तक की दूरी से लोग देख सके। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी शिरकत की।

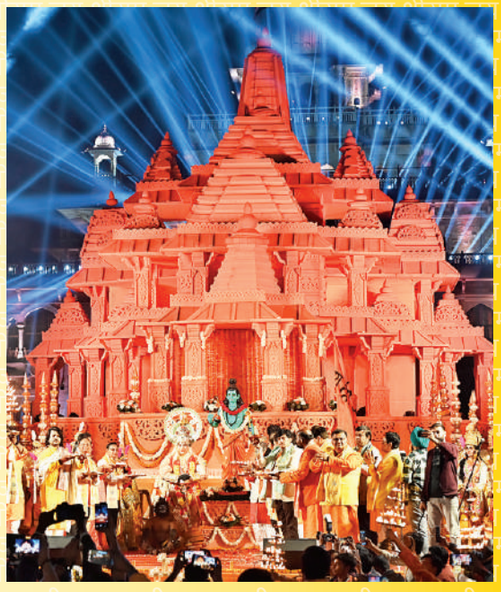

जरूरी खबर

जूनियर अकाउंटेंट व टीआरए की परीक्षा 11 को

बेधड़क. जयपुर। आरएसएसबी ने सोमवार को जूनियर अकाउंटेंट व टीआरए (तहसील राजस्व लेखाकार) भर्ती परीक्षा की तारीख घोषित कर दी है। आरएसएसबी मेजर जनरल आलोक राज ने बताया कि यह परीक्षा 11 फरवरी को होगी। परीक्षा में पहला पेपर 10 से 12.30 बजे तक और दूसरा पेपर 3 से 5.30 बजे तक होगा। परीक्षा में किसी प्रश्न का उत्तर नहीं देने पर पांचवा विकल्प ई भरना होगा। ऐसा नहीं करने पर एक तिहाई अंक काटे जा सकते हैं। 10 प्रतिशत से अधिक प्रश्नों में किसी भी विकल्प या गोले नहीं भरने पर परीक्षा के लिए अयोग्य किया जाएगा। इसके लिए अभ्यर्थी को दस मिनट अतिरिक्त मिलेंगे।

फ्लाइट का इंजन फेल, इमरजेंसी लैंडिग कराई

बेधड़क. जयपुर। जयपुर एयरपोर्ट बड़ा हादसा टला गया। दरअसल एक विमान का इंजन फेल होने हो गया। ऐसे में फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। जानकारी के अनुसार इंडिगो की फ्लाइट संख्या 6ई-784 जयपुर से कोलकाता की फ्लाइट ने उडान भरी थी। इसी दौरान हवा में 17000 फीट की ऊंचाई पर विमान का एक इंजन फेल हो गया। इसके बाद विमान की वापस लैंडिंग हुई। बता दें कि यह फ्लाइट जयपुर एयरपोर्ट से कोलकाता के लिए शाम 6:15 बजे जाती है, लेकिन फलाइट लेट होने के चलते यह शाम 8:25 बजे जयपुर से वाना हुई थी, लेकिन मिड एयर पर यह वाक्या होने पर लौटना पड़ा।

हमलावरों की बस का परमिट व RC होगी निरस्त

बेधड़क.जयपुर। राजधानी में एक परिवहन निरीक्षक पर जानलेवा हमला हुआ है। दरअसल जयपुर आरटीओ प्रथम के निरीक्षक अतुल कटियार पर एक बस का चालान करने पर कुछ नाराज लोगों ने हमला किया। ऐसे में अब जिस बस का चालान करने पर निरीक्षक पर हमला किया गया था, उस बस की आरसी और परमिट निरस्त किया जाएगा। इसको लेकर जयपुर आरटीओ प्रथम ने प्रकिया शुरू कर दी है। हमले में निरीक्षक कटियार को गंभीर चोट आई है। जानकारी के अनुसार इस बस पर 6 महीने का विभागीय टैक्स बाकी था। ऐसे में निरीक्षण के दौरान अतुल कटियार ने चालान कर दिया।

गणतंत्र दिवस की परेड-2024 में निकलने वाली झांकियों का राष्ट्रीय रंगशाला शिविर में हुआ प्रिव्यू

पधारो म्हारे देश की थीम पर लुभाएगी राजस्थान की झांकी

बेधड़क | जयपुर

नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर इस वर्ष 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस परेड-2024 में निकलने वाली झांकियों में राजस्थान की झांकी दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खींचेगी। इस झांकी में विकसित भारत में पधारो म्हारे देश की नयनाभिमानी झलक देखने को मिलेगी।

नई दिल्ली के दिल्ली कैंट परेड ग्राउंड स्थित गणतंत्र दिवस परेड राष्ट्रीय रंगशाला शिविर में सोमवार को हुए झाकियों के प्रेस प्रिव्यू में राजस्थान की झांकी सबके आकर्षण का केंद्र रही। झांकी के नोडल अधिकारी राजस्थान ललित कला अकादमी के सचिव डॉ. रजनीश हर्ष ने बताया कि राज्य की प्रमुख शासन सचिव, कला एवं संस्कृति विभाग गायत्री राठौड़ की परिकल्पना एवं उनके निर्देशानुसार तैयार की गई यह झांकी राजस्थान की उत्सवधर्मी संस्कृति, स्थापत्य परंपरा और हस्तशिल्प का सुंदर मिश्रण है। झांकी के अग्रभाग में राजस्थान के सुप्रसिद्ध घूमर नृत्य का मनोहारी दृश्य है। इसमें घूमर करती दस फीट की राजस्थानी वेश-भूषा में सुसज्जित नर्तकी का मूर्ति शिल्प दर्शाया गया है। घूमर राजस्थान का सुप्रसिद्ध पारंपरिक महिला नृत्य है जो विभिन्न उत्सवों में किया जाता है। इस सांस्कृतिक झांकी में विकसित भारत की संकल्पना के अंतर्गत राजस्थान की उत्सवधर्मी संस्कृति में समाए महिला हस्तशिल्प उद्योगों के विकास का सुंदर ढंग से प्रदर्शन किया गया है। यह राजस्थान के समृद्ध इतिहास और संस्कृति के आलोक में यहां हुए नवीन स्थापत्य निर्माण की एक सुंदर झांकी है। राजस्थान की यह झांकी परंपरा के आलोक के साथ विकसित भारत की संकल्पना लिए हुए है।

मीरा की भक्ति और नारी शक्ति की दिखेगी छवि

डॉ. हर्ष ने बताया कि झांकी के पिछले भाग में भक्ति और शक्ति की प्रतीक भगवान कृष्ण की अनन्य भक्त मीरा बाई की सुंदर प्रतिमा प्रदर्शित की गई है। इसके अतिरिक्त राज्य के प्रसिद्ध महिला हस्तशिल्प उद्योगों का महिलाओं द्वारा ही संचालन करना और निर्मित उत्पादों की सुंदर झलक प्रस्तुत की गई है। झांकी में राजस्थान की उद्यमी महिलाओं को पारंपरिक बंधेज, बगरू प्रिंट, एप्लिक वर्क का कार्य करते हुए दर्शाया गया है। इससे विकसित भारत में महिलाओं का योगदान प्रदर्शित होगा। उन्होंने बताया कि झांकी के पिछले भाग में रेगिस्तान का जहाज कहें जाने वाले राज्य के पालतू पशु ऊंट की सुसज्जित प्रतिमा है। संयुक्त राष्ट्र संघ ने वर्ष-2024 को उष्ट्र वर्ष घोषित किया है। गोरबंद में सजे-धजे दो ऊंटों की झांकी प्रतिवर्ष राजस्थान में होने वाले ऊंट उत्सव को प्रतिबिंबित कर रही है।

ग्रामीण जनजीवन की दिखेगी झलक

झांकी में विशेष रूप से राजस्थानी ग्रामीध्स जन जीवन के प्रतीक के रूप में राजस्थानी लिबास में सजे धजे पुरुष की मूर्ति दर्शाई गई है। साथ ही झांकी में ऊंट पर राजस्थान की पारंपरिक वेशभूषा पहने राजस्थानी महिला सवार भी है। ऊंट के पीछे राजस्थान के स्थापत्य को हाथी युक्त विशेष तोरण द्वार, कलात्मक छतरियों युक्त मीनारो आदि को गुलाबी रंग पर सफेद रंग से सुंदरता पूर्वक अलंकृत किया गया है। झांकी में राजस्थानी संगीत की मनभावन प्रस्तुति के साथ घूमर और गोरबंद गीतों की विभिन्न लोक वाद्य यंत्रों के द्वारा फ्यूजन धुनों पर, झांकी के दोनों ओर दस लोक नर्तकियां पारंपरिक घूमर नृत्य करती प्रदर्शित की गई है।

मत्स्य विभाग में चल रहा था 20 फीसदी कमीशन का खेल

निदेशक को पकड़ने के बाद जांच में सामने आई 'छूट में लूट'

- मछली पकड़ने का टेंडर और लाइसेंस देने में दिया जाता था डिस्काउंट
- सहायक निदेशक को देते थे छूट देने और लाइसेंस जारी करने के निर्देश

बेधड़क | जयपुर

प्रदेशभर के तालाबों से मछली पकड़ने के टेंडर व लाइसेंस जारी करने की एवज में मत्स्य विभाग के अफसर टेंडर की राशि का 20 फीसदी तक कमीशन घूस में लेते थे।

यही नहीं, जब ठेकेदार तालाब में मछलियों के मरने पर राशि कम करने की बात करते थे और निदेशक प्रेमसुख बिश्नोई अपने चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी को बुलाकर ठेकेदारों को सहायक निदेशक राकेश देव से मिलवा कर उनको डिस्काउंट देने और लाइसेंस जारी करने के निर्देश देते थे।

हाल ही में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) द्वारा की मत्स्य विभाग के निदेशक प्रेमसुख बिश्नोई और सहायक निदेशक राकेश देव के खिलाफ की गई कार्रवाई की जांच में सामने आया है। एसीबी ने दोनों आरोपियों को 19 जनवरी को 35 हजार रुपए की घूस लेते पकड़ उनके खिलाफ जांच शुरू की है। दरअसल, एसीबी ने तीन दिन पहले मत्स्य विभाग के निदेशक प्रेमसुख व सहायक निदेशक राकेश देव को 35 हजार रुपए की घूस लेते गिरफ्तार किया था।

डेढ़ माह में 17 बार लगाए विभाग के चक्कर

पड़ताल में सामने आया कि खो-नागोरियान निवासी रफीक के भतीजे को टोंक स्थित अन्नपूर्णा डूंगरी तालाब में मछली पकड़ने का टेंडर मिला था। 23 नवंबर को रफीक ने टेंडर व लाइसेंस शुल्क जमा करा दिया था। लाइसेंस लेने के लिए रफीक ने निदेशक व सहायक निदेशक के पास 16 जनवरी तक 17 बार चक्कर लगाए, लेकिन अफसरों ने लाइसेंस जारी नहीं किया। जब पीड़ित को कई दिनों तक लाइसेंस नहीं मिला तो उसने ऑफिस में एक कर्मचारी से संपर्क किया। उस कर्मचारी ने फिर लाइसेंस के लिए सहायक निदेशक राकेश देव से मिलाया था। तब राकेश देव ने कहा- साहब तालाब पर गाड़ी भेजे देंगे तो दिक्कत आ जाएगी, एक लाख रुपए लगेंगे लाइसेंस जारी करने के लिए।

पहले मांगे 50 हजार रुपए, फिर दिया डिस्काउंट

एसीबी की जांच में सामने आया कि आरोपी राकेश देव पीड़ित से 1 लाख रुपए की घूस की डिमांड कर रहा था। जब पीड़ित ने उसे कहा- तालाब में पानी कम हो रहा और मछली मर रही है। इतनी राशि नहीं दे सकता तो आरोपी राकेश देव निदेशक प्रेमसुख से मिलकर आए और परिवादी को कहा- साहब को और मुझे 50 हजार रुपए देने पड़ेंगे। फिर परिवादी ने राकेश देव से कहा- मैं इतनी राशि देने सक्षम नहीं हूं। मुझे एक बार साहब से मिला दो। इसके बाद राकेश देव ने निदेशक से बात करके परिवादी को उसके पास भेज दिया। परिवादी के आग्रह पर निदेशक ने सहायक निदेशक को डिस्काउंट देकर लाइसेंस जारी करने के निर्देश दिए। तब राकेश देव ने 31 हजार रुपए में सौदा तय किया और 2-5 हजार रुपए ज्यादा लाने के लिए कहा था।

आज सीएम से मुलाकात संभव

पहले दौर में सकारात्मक वार्ता, फिलहाल जारी रहेगा जाट आंदोलन

बेधड़क | जयपुर

केंद्र में ओबीसी कैटेगिरी में आरक्षण दिए जाने की मांग को लेकर भरतपुर-धौलपुर के जाट समाज का आंदोलन जारी है। इस बीच आंदोलन की संघर्ष समिति के पदाधिकारियों की सोमवार को जयपुर में मंत्री समूह से वार्ता हुई। सरकार ने जाट समाज की 11 सदस्य कमेटी से वार्ता के लिए चार सदस्यों की कमेटी गठित की है।

जिसमें नदबई विधायक जगत सिंह, डीग कुम्हेर विधायक शैलेश सिंह, कन्हैया लाल चौधरी, जलदाय विभाग मंत्री, अविनाश गहलोत, सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्री शामिल हैं। संघर्ष समिति के संयोजक नेम सिंह फौजदार ने बताया कि पहले दौर की वार्ता सकारात्मक रही, लेकिन आरक्षण का नोटिफिकेशन जारी होने तक आंदोलन जारी रहेगा। सरकार दोनों जिलों के जाट समुदाय को आरक्षण देने के पक्ष में है, लेकिन फैसला केंद्र सरकार के स्तर पर ही हो सकता हैं। ऐसे में संघर्ष समिति ने सरकार को साफ कर दिया कि जब तक नोटिफिकेशन जारी नहीं हो जाता हैं आंदोलन जारी रहेगा। नेम सिंह ने कहा कि मंत्री समूह ने आश्वस्त किया है कि मंगलवार को संघर्ष समिति की दोपहर बाद मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा से वार्ता कराएंगे। हमें पूरी उम्मीद है कि डबल इंजन की सरकार समाज की मांग को जल्द पूरा करेगी। आरक्षण संघर्ष समिति के संयोजक नेम सिंह फौजदार की अगुवाई में मंत्री समूह से वार्ता की। वार्ता में मंत्री कन्हैयालाल चौधरी, विधायक शैलेष सिंह मौजूद रहे। वार्ता में सामाजिक एवं न्याय अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत को भी मौजूद रहना था, लेकिन वे अपने क्षेत्र में होने की वजह से वार्ता में नहीं पहुंच सके।

अस्पतालों में भी दिखा प्राण-प्रतिष्ठा का उल्लास

माताओं ने बच्चों का नाम रखा राम-सीता

बेधड़क | जयपुर

अयोध्या में श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को लेकर सभी में खुशी छाई दिखी। इस खुशी का इजहार लोगों ने अपने-अपने तरीके से कर किया। वहीं शहर के अस्पतालों में भी प्रभु राम के आगमन का उल्लास नजर आया।

सोमवार को प्राण-प्रतिष्ठा के दिन अस्पतालों में जिन बच्चों ने जन्म लिया उनके परिजनों ने राम और सीता नाम रखा। वहीं परिजनों में इस दिन बच्चे का जन्म होने की खुशी भी बखूबी दिखाई दी। इस दौरान मिठाईयां बांटकर खुशियां मनाई गई। राजधानी के एक निजी अस्पताल में तो सोमवार को इस दिन माताओं ने अपने जन्म दिए बच्चे का नाम राम और सीता रखा।

सोमवार सुबह एक बच्चे को जन्म देने वाली प्रसूता नीता कंवर राठौड़ ने बताया कि उन्होंने एक बेटे को जन्म दिया है जिसका नाम 'राम' रखा। वहीं बेटी को जन्म देने वाली मां मंटी हलधर ने बताया कि उनके घर बेटी का आगमन हुआ है, जिनका नाम हमलोगों ने 'सीता' रखा है।

प्रदेश में 470 खरीद केंद्र बनाए, रजिस्ट्रेशन हुआ शुरू

2400 रुपए क्विंटल से होगी गेहूं की खरीद

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश के किसानों के लिए अच्छी खबर है। राज्य सरकार ने गेहूं खरीद की दर तय कर दी है। प्रदेश सरकार इस बार गेहूं 2400 रुपए प्रति क्विंटल की दर से खरीदेगी। इसके लिए प्रदेश के सभी जिलों में सोमवार से गेहूं खरीद के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू कर दिए गए। यह रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया 25 जून तक चलेगी।

राजस्थान सरकार की अलग-अलग एजेंसियां 10 मार्च से गेहूं की खरीद शुरू करेगी। सरकार गेहूं खरीद 30 जून तक करेगी। गेहूं खरीद के लिए प्रदेश में 470 केन्द्र बनाए गए हैं। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग ने इसके आदेश जारी किया है। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग से जारी आदेशों के मुताबिक केन्द्र सरकार ने समर्थन मूल्य 2275 रुपए प्रति क्विंटल निर्धारित किया है, उसके ऊपर राज्य सरकार किसानों को 125 रुपए प्रति क्विंटल का बोनस देगी। इस तरह सरकार गेहूं की खरीद 2400 रुपए प्रति क्विंटल करेगी। जयपुर जिले में गेहूं खरीद 5 सेंटरों पर होगी। इसमें अचरोल, चाकसू में बने राजफेड के सेंटर और बस्सी, कोटपूतली और गांधी नगर में एफसीआई के सेंटर पर खरीद होगी। दरअसल इस बार रबी की फसल में गेहूं का रकबा 31 लाख हेक्टेयर बुवाई का टारगेट रखा है। जो किसान अपना गेहूं सरकार को बेचना चाहते हैं वह सोमवार से फूड डिपार्टमेंट की साइट पर जाकर अपना रजिस्ट्रेशन करवा सकेंगे। इसके लिए विभाग की साइट पर अलग-अलग जिलों में बने खरीद सेंटर्स की लिस्ट है, जिस पर रजिस्ट्रेशन होगा। फूड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एफसीआई) के अलावा तिलम संघ, नाफेड, राजफेड और एनसीसीएफ के जरिए गेहूं खरीदा जाएगा। इसमें सबसे ज्यादा 211 सेंटर राजफैड के है, जबकि सबसे कम 9 सेंटर एनसीसीएफ के है।

भाजपा कार्यालय में प्रदर्शनी का आयोजन

प्राण-प्रतिष्ठा एक अद्भुत क्षण, इससे पूरे देश में आनंद की लहर: चंद्रशेखर

बेधड़क | जयपुर

भाजपा प्रदेश कार्यालय में सोमवार को श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर और भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष श्रवण सिंह बगड़ी ने प्रभु श्रीराम के चित्र के समक्ष दीप जलाकर विधिवत पूजा अर्चना की।

इस अवसर पर भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर ने इस मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि रामलला प्राण प्रतिष्ठा एक अदभुत क्षण है, यह क्षण देखने को आंखे तरस गई थी।

पिछले पांच सौ वर्षों से अयोध्या ने और भारत ने संघर्ष को देखा है। हमने प्रभु श्री राम का वियोग भी देखा है, और बिछोह भी देखा है। अयोध्या उसकी साक्षी रही है संपूर्ण भारत उसका साक्षी रहा है। हमारे पूजनीय शंकराचार्य ने जो व्यवस्था हमें दी जिस स्वप्न और संकल्प को कहकर स्वामी विवेकानंद गए। आज उसी काम को भारत के एक नरेन्द्र कर रहे हैं। हम प्रभु श्री राम के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को देखकर आनंदित हैं, जिसका आनंद आज पूरा विश्व और पूरा देश ले रहा है।

राम पुरुषों में उत्तम नरों में नरात्तम हैं, क्योंकि राम मर्यादा हैं, राम भारत का अध्यात्म है, राम भारत की संस्कृति हैं, राम भारत की न्याय व्यवस्था के प्रतीक हैं। राम राज्य एक आदर्श राज्य की संकल्पना है, जिसमें प्रजा सुखी रहती हैं कोई दुखी नहीं होता और कोई छोटा बड़ा नहीं होता।

श्रीराम के जीवन पर प्रदर्शनी लगाई

इस दौरान उन्होंने प्रदेश कार्यालय में प्रभु श्रीराम के जीवन चित्रण पर आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। प्रदर्शनी में विभिन्न प्रकार की कलाकृतियां, कठपुतली नृत्य और पेंटिग सजाई गई थी। रामलला प्राण प्रतिष्ठा समारोह का अयोध्या से लाईव प्रसारण भी भाजपा प्रदेश कार्यालय में किया गया इस ऐतिहासिक क्षण के साक्षी सैंकड़ो भाजपा कार्यकर्ता बने।

प्रसन्नता का वातावरण

भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर ने कहा कि प्रभु श्री राम ने भारत को सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया, नारी तू नारायणी, परोपकाराय पुण्याय पापाय परपीड़नम जैसे विचार दिए हैं। अर्थात उन्होंने बताया कि पौधे में भी भगवान का वास है। आज का प्राण प्रतिष्ठा समारोह संपूर्ण देश में प्रसन्नता का वातावरण बनाएगा। विश्व आज भारत की त्यागमयी गौरवमयी जो संस्कृति है उसका दिव्य दर्शन कर रहा है।

प्रधानमंत्री का अभिनंदन

भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर ने कहा कि हम संपूर्ण देशवासियों का अभिनंदन करते हुए विश्व में सुख शांति और प्रेम स्नेह की कामना करते हैं। जिस प्रेम और स्नेह को प्रभु श्रीराम ने भ्रातृत्व और सेवक भाव से निभाया। हम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का अभिनंदन करते हैं और न्यायपालिका का भी अभिनंदन करते हैं। न्यायपालिका ने राम मंदिर का मार्ग प्रशस्त किया। जिसके चलते आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के करकमलों से अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा संपन्न हुई। इक्कीसवी सदी भारत की सदी होगी हम संसार में महाशक्ति बनकर वसुधैव कुटुबंकम के भाव से साथ मिलकर काम करेंगे। इस अवसर पर जयपुर शहर जिलाध्यक्ष राघव शर्मा, महिला मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. अपूर्वा सिंह, अशोक सैनी सहित अन्य भाजपा नेता उपस्थित रहे।

राम आए हैं... स्वागत में सजा शहर, शोभायात्राएं निकलीं और देर रात तक आतिशबाजी

@अल्बर्ट हॉल

चहुं ओर... राम, राम और जय श्री राम

फोटो: राजेश कुमावत

फोटो: पंकज शर्मा

बेधड़क. जयपुर। *अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के दौरान सोमवार को छोटी काशी भी राम के रंग में रंगी रही। अयोध्या में 'राम आए' तो यहां उनके स्वागत में लोगों ने पलक पांवड़े बिछा दिए। शहर को राम-हनुमान की ध्वजाओं से सजा दिया। घरों-बाजारों को दीयों से रोशन कर दिया। जगह-जगह राम दरबार सजाकर आरती की गई। कई स्थानों पर राम की शोभायात्राएं निकाली गईं। इसके साथ ही देर रात तक जमकर आतिशबाजी की गई। इसके चलते दिनभर शहर में दीवाली का सा माहौल रहा।*

@रामचन्द्र मंदिर

राम जानकी मंदिर में सुंदरकांड

जयपुर। चांदपोल गेट के पास सीकर हाउस में भगवान श्रीराम जानकी मंदिर में सुंदरकांड और दीपोत्सव का आयोजन हुआ। श्रीराम जानकी धाम सेवा समिति सीकर हाउस के अध्यक्ष मदन लाल बाजिया, महामंत्री एडवोकेट राजेश शर्मा, संरक्षक प्रकाश चंद गुप्ता ने बताया कि राम जानकी मंदिर से भगवान श्रीराम की शोभायात्रा भी निकाली गई। सीकर हाउस, हाजी कॉलोनी, सिंधी कॉलोनी, पेंटर कॉलोनी, कल्याण कॉलोनी से होते हुए शोभायात्रा वापस मंदिर पहुंची जहां पर सुंदर कांड के पाठ हुए। इस मौके पर प्राण प्रतिष्ठा समारोह का मंदिर परिसर में लाइव प्रसारण किया गया। शाम को भगवान राम की महाआरती की गई।

उत्तराखंड सभा ने शोभायात्रा निकाली

राजस्थान उत्तराखंड सभा राजस्थान प्रदेश की ओर से सिरसी रोड, पांच्यावाला में श्रीराम शोभा यात्रा निकाली गई। कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़, पार्षद सुखप्रीत बंसल, सभा अध्यक्ष बीएस रावत, प्रदेश महासचिव प्रहलाद सिंह अधिकारी, संगठन मंत्री आनंद पांडे, बीना पंत, गोदावरी कांडपाल, कुलदीप सिंह, पूरन सिंह, भूप राम शर्मा, विनोद महिला, प्रदीप सिंह, कला खोलिया आदि ने सुबह 11 बजे श्रीराम शोभा यात्रा का शुभारंभ किया। सभा अध्यक्ष बीएस रावत ने मुख्य अतिथि कर्नल राठौड़ का स्वागत किया। शोभा यात्रा में उत्तराखंड के भाई बहन उत्तराखंडी परिधान में शामिल हुए।

कृष्ण-बलराम ने धारण किया धनुष

जयपुर। जगतपुरा के श्री कृष्ण-बलराम मंदिर में अयोध्या में प्रभू श्रीराम के मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा पर महारती और संकीर्तन का महा आयोजन हुआ, जिसमे हज़ारों भक्तों ने भाग लिया। इस मौके पर श्री कृष्ण-बलराम का धनुष बाण के साथ विशेष श्रृंगार किया गया, मंदिर में फूलों की बहुत ही सुंदर सजावट की गई। इसके साथ ही अद्भुत झांकी भी सजाई गई। मंदिर में 10 दिवसीय राम कथा का आयोजन चल रहा है, जिसमें भक्तों के लिए राम तारक यज्ञ का आयोजन किया गया। मंदिर के अध्यक्ष अमितासन दास ने कहा कि भक्तों ने रामायण के 108 श्लोकों का एक साथ उच्चारण किया। उन्होंने इस पल को ऐतिहासिक बताया।

रामलला को लगाया 56 भोग

जयपुर। विधाधरनगर के सेक्टर 8 स्थित रामपथ कॉलोनी में भगवान राम के 56 भोग की झांकी सजाई। इस मौके पर भजन संध्या का भी आयोजन किया गया, जिसमें देर रात तक भक्त भगवान राम के भजनों पर झूमते रहे। भजन संध्या में राकेश बड़गोती ने रामलला के भजनों की प्रस्तुति दी। इस अवसर कॉलोनी को रोशनी से सजाया गया और आतिशबाजी की गई। इस मौके पर पूर्व भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया विश्व हिन्दू परिषद प्रांत संघठन मंत्री राधेश्याम, अयोध्या कार सेवक राजकुमार दुसाद, मोहनलाल बड़गोती, राकेश बड़गोती सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

राजभवन में गूंजी राघव की महिमा

श्री राम आए, रघुनंदन हम गाएं, उनके स्वागत में हम दीप जलाएं...

बेधड़क | जयपुर

राज्यपाल कलराज मिश्र ने राजभवन के दरबार हॉल में अयोध्या में श्री राम जन्म भूमि में आयोजित रामलला प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का सीधा प्रसारण देखा। इसके बाद उन्होंने श्री राम से देशवासियों की खुशहाली और सदा मंगल की कामना की। उन्होंने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर निर्माण पूरे देश के लिए हर्षोल्लास का, आनंद का और राममय होने का गौरवपूर्ण अवसर है। उन्होंने राम लला के मंदिर में विधिवत विराजने की बधाई देते हुए देशवासियों की खुशहाली और सदा मंगल की कामना की। इस अवसर पर उपस्थित उप मुख्यमंत्री प्रेम चंद बैरवा ने भी शुभकामनाएं दी।

राजा राम को भजनों से रिझाया

अयोध्या में मंदिर निर्माण और मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की राजभवन के दरबार हॉल से सीधे प्रसारण के बाद पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र द्वारा सुप्रसिद्ध पार्श्व गायक अभिजीत घोषाल का राम भजन प्रवाह कार्यक्रम भी आयोजित हुआ। इसमें अभिजीत ने भगवान राम की महिमा और उनके जीवन आलोक से जुड़ी मनभावन भजन प्रस्तुतियां दी। अभिजीत घोषाल ने राम के 14 वर्षों के वनवास के बाद अयोध्या लौटने पर मनाए गए उत्सव से जुड़े गान 'श्री राम आए, रघुनंदन हम गाएं, उनके स्वागत में हम दीप जलाएं...' से राम भजन प्रवाह का शुभारंभ किया। इसके बाद उन्होंने 'श्री राम के शरणागत हो लें, सब काम बन जाए.. हे राम, हे राम...' की सुमधुर प्रस्तुति देते हुए सभी को राममय कर दिया। उन्होंने लक्ष्मणाचार्य लिखित 'रघुपति राघव राजा राम' की भी प्रस्तुति दी। उनके साथ ही उपस्थित जन भी समवेत स्वरों में इस भजन को गाते हुए भाव विभोर हो उठे। इसके बाद उन्होंने श्री राम शोभा नाम', 'श्री राम लल्ला' 'गंगा महिमा', 'शिव महिमा गान' और अन्य भजन प्रस्तुतियों से उपस्थित जनों को भक्ति भावों से सराबोर कर दिया। भजन प्रवाह के बाद राज्यपाल कलराज मिश्र ने अभिजीत घोषाल का शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया। राज्यपाल के प्रमुख सचिव सुबीर कुमार और प्रमुख विशेषाधिकारी गोविंद राम जायसवाल ने आगंतुकों की अगवानी की।

जरूरी खबर

अयोध्या की तरह सजा मेहंदीपुर धाम, गूंजे जयकारे

दौसा। अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के असवर पर मेहंदीपुर बालाजी धाम को अयोध्या की तरह सजाया गया। राम मंदिर नहीं पहुंचने वाले भक्तों ने श्रीराम के सबसे बड़े भक्त हनुमानजी के मंदिर पर पहुंचकर दर्शन किए। इस दौरान हजारों लोगों ने जय श्रीराम के नारे लगाए तो पूरा मंदिर राम नाम से गूंज उठा। मंदिर पहुंचे भक्तों के साथ महंत नरेश पुरी ने भी भजन गाए। भक्तों ने बताया कि जब से वह मेहंदीपुर बालाजी आने लगे हैं, तब से उनकी तकदीर बदल गई। अब और भगवान श्रीराम भी अयोध्या पधार गए हैं तो देश की तकदीर भी बदल जाएगी।

मजार के सामने लगाई मूर्ति, सुबह पुलिस ने हटाई

अलवर। शहर से करीब 15 किलोमीटर दूर चूहड़सिद्ध के स्थान पर मजार के सामने रविवार रात को किसी ने बजरंग बली की मूर्ति दी। सोमवार सुबह पुलिस प्रशासन को पता चलते ही टीम मौके पर पहुंची और वहां से मूर्ति को लेकर आ गई। अब मूर्ति पुलिस के कब्जे में है। मूर्ति लगाने वालों का अभी पता नहीं चला है। इस कारण पुलिस प्रशासन कुछ कहने की स्थिति में नहीं है। मूर्ति लगाने के बाद मौके पर कोई विवाद नहीं है। असल में रात को अज्ञात लोगों ने मूर्ति लगाई। सुबह पुलिस को पता लगा तो मूर्ति वहां से हटा दी।

बुजुर्ग का पहाड़ी पर मिला कंकाल, कपड़ों से शिनाख्त

बूंदी। जिले के लाखेरी कस्बे में सोमवार को पहाड़ियों पर घर से लापता बुजुर्ग का कंकाल मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। लाखेरी थाने के हेड कांस्टेबल सूरजमल ने बताया कि थाना क्षेत्र के गणेशपुरा निवासी श्योजीलाल (75) पुत्र ओंकार लाल करीब 34 दिन से घर से लापता था। रविवार रात पहाड़ियों पर जंगल में बकरियां चराने वाले लोगों ने नर कंकाल पड़ा होने की सूचना दी थी। पुलिस जाप्ते के साथ मौके पर पहुंची तो बुजुर्ग का शव क्षत-विक्षत होकर कंकाल में तब्दील मिला। परिजनों ने कपड़े व कम्बल से बुजुर्ग की पहचान की।

आयोध्या में श्रीराम की प्राण-प्रतिष्ठा से शिक्षा मंत्री का एक संकल्प पूरा... अब लिया नया संकल्प, कहा-

जब तक नहीं बनेगा कृष्ण मंदिर... एक समय करूंगा भोजन

बेधड़क | कोटा

आयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के साथ ही सोमवार को प्रदेश के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर का भी 34 साल पहले लिया गया संकल्प पूरा हो गया।

उन्होंने प्रण लिया था कि जब तक अयोध्या में राममंदिर में रामलला विराजते नहीं हो जाते तब तक वे माला नहीं पहनेंगे। इसके अलावा भी उन्होंने कई संकल्प लिए थे। सोमवार को रामगंजमंडी विधानसभा क्षेत्र में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने 34 साल बाद माला पहनी। मदन दिलावर कोटा से वे एक ऐसे कारसेवक रहे हैं,

जिन्होंने राम के लिए प्रण लिया। दिलावर ने बताया कि राम मंदिर आंदोलन के दौरान कारसेवा की और कारसेवकों का नेतृत्व भी किया। हमारे नेतृत्व में कारसेवक अयोध्या भी गए थे। पुलिस की लाठियां भी सहन की, लेकिन मन में केवल एक ही इच्छा थी कि राम मंदिर बन जाए। फरवरी, 1990 में दो संकल्प एक साथ लिए थे। उसमें एक था कि जब तक राम मंदिर नहीं बन जाता और भगवान राम की प्रतिमा यहां स्थापित नहीं हो जाती तब तक माला नहीं पहनूंगा और दूसरा अनुच्छेद 370 जब तक नहीं हटेगा तब तक पलंग पर नहीं सोने का संकल्प लिया था। इसमें जमीन पर सोने का संकल्प तो पूरा हो चुका था अब सोमवार को दूसरा संकल्प भी पूरा हो गया है। इसके बाद शिक्षा मंत्री ने सोमवार को नया सकंल्प लिया।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने 34 साल बाद पहनी माला

सोमवार को राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के दौरान मदन दिलावर कोटा के रामगंजमंडी में विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल हुए। इस दौरान उनका जगह-जगह स्वागत किया गया। सोमवार को सकंल्प पूरा होने पर कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने उन्हें मालाएं पहनाई। एक कार्यक्रम में उन्हें 34 किलो की माला तो मंडाना में 108 फीट लंबी माला पहनाकर उनका स्वागत किया गया। इस दौरान उन्होंने नया सकंल्प लिया है। इसको लेकर मंत्री दिलावर ने कहा कि अब वे 31 जनवरी और राममंदिर दर्शन के लिए जाने पर ही माला पहनेंगे। उसके बाद वे माला नहीं पहनेंगे। उन्होंने नया संकल्प लेते हुए कहा कि जब तक कि श्रीकृष्ण का भव्य मंदिर नहीं बन जाता तब तक एक समय ही भोजन करेंगे।

तीस साल जमीन पर सोए दिलावर

धारा 370 को लेकर दिलावर का सकंल्प था, जिसमें कश्मीर से धारा-370 को हटाकर एक संविधान-एक प्रधान और एक झंडा करने की मांग थी। इसको लेकर उन्होंने आरामदायक बिस्तर और पलंग पर नहीं सोने का संकल्प लिया था। तीस साल तक वह जमीन पर चटाई बिछाकर सोते थे। करीब ढाई साल पहले केंद्र सरकार ने धारा 370 को हटा दिया। तब उनका यह संकल्प पूरा हो गया। मदन दिलावर संकल्प लेने के बाद तीन बार राजस्थान सरकार में मंत्री बने हैं। इसके अलावा छह बार विधायक चुने गए हैं।

विधानसभा अध्यक्ष ने ऋषिघाटी के बालाजी मंदिर की पूजा-अर्चना

देशवासियों का सैकड़ों साल का सपना साकार: देवनानी

बेधड़क | अजमेर

प्रभु राम की जन्मस्थली अयोध्या में सोमवार को भगवान की प्राण-प्रतिष्ठा का उल्लास प्रदेशभर में नजर आया। वहीं अजमेर में भी माहौल राम के रंग में रंगा दिखाई दिया। इस दौरान ऋषि घाटी स्थित सुप्रसिद्ध बालाजी मंदिर में विधानसभा स्पीकर वासुदेव देवनानी ने श्रद्धालुओं के साथ बैठ कर प्राण-प्रतिष्ठा आयोजन का लाइव प्रसारण देखा।

उन्होंने बालाजी मंदिर में पूजा-अर्चना भी की। इस दौरान स्पीकर देवनानी ने कहा कि भारतवासियों का 500 वर्ष पुराना सपना आज साकार हुआ है। 1990 में अशोक सिंघल और लालकृष्ण आडवाणी ने राम मंदिर निर्माण के लिए संघर्ष किया और रथ यात्रा निकाली। उसमें लाखों लोग शामिल हुए थे, जिन्होंने अयोध्या में कारसेवा की। हजारों लोगों ने इस संघर्ष में अपने प्राणों की आहुति दी। 75 वर्ष तक भगवान श्रीराम टेंट में रहे। 500 वर्ष तक पीढ़ी दर पीढ़ी संघर्ष चलता रहा, लेकिन पीएम मोदी जब सत्ता में आए तो उन्होंने भारतवासियों के सपने को साकार करने का काम किया। साथ ही

अजमेर के प्रमुख मंदिरों में हुई आरती

अजमेर के बजरंगगढ़ स्थित श्रीसीता राम मंदिर, अंबे माता मंदिर, बजरंगढ़ मंदिर, आगरा गेट गणेश मंदिर, पंचमुखी हनुमान मंदिर, श्रीनगर रोड स्थित धुनी वाले हनुमान मंदिर, गुलाब बाड़ी स्थित शिव मंदिर, पुष्कर के रघुनाथ शाह मंदिर, वराह मंदिर, केकड़ी में बागरा ग्राम स्थित प्रसिद्ध वराह मंदिर समेत कई अन्य मंदिरों में धार्मिक अनुष्ठान व आरती हुई। साथ ही प्रसाद वितरण किया गया। इसके साथ ही आठ दिवसीय भगवान श्रीराम नाम संग्रह बैंक की ओर से आयोजित परिक्रमा कार्यक्रम में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। यहां भी एलइडी पर भक्तों ने सामूहिक रूप से रामलला की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को देखा।

सुप्रीम कोर्ट के जजों ने राम मंदिर के पक्ष में फैसला सुनाया, जिसके बाद मंदिर निर्माण में आने वाली सभी बाधाएं दूर हो गई और आज रामलला अपने स्थान पर विराज गए। उधर अजमेर के हर गली, मोहल्ले व बाजारों को सजाया गया। सुबह से ही नगर में धार्मिक अनुष्ठान और सुंदरकांड पाठ के आयोजन होते रहे।

तीर्थनगरी पुष्कर में निकाली शोभायात्रा में दिखी राम लहर

इधर, ब्रह्म नगरी पुष्कर भी राममय नजर आया। तीर्थराज पुष्कर में भगवान श्रीराम की शोभायात्रा निकाली गई। इसमें शामिल लोगों में राम लहर दिखाई दी। अयोध्या में भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर पुष्कर में जगह-जगह खुशियां मनाई गई। अजमेर के सांसद भागीरथ चौधरी व प्रदेश के जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने भाजपा कार्यकर्ताओं, प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों के साथ मिलकर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का लाइव प्रसारण देखा। जगत पिता ब्रह्मा मंदिर के अलावा पुष्कर के सभी प्राचीन मंदिरों में रामोत्सव मनाया गया। मंदिरों में शानदार सजावट की गई। साथ ही सभी मंदिरों में आरती हुई। वहीं, पुष्कर में निकली शोभायात्रा में शामिल राम भक्तों ने जमकर श्रीराम के जयकारे लगाए।

आज का दिन ऐतिहासिक, इसके लिए हमारे पूर्वजों ने किया संघर्ष

जगत पिता ब्रह्मा मंदिर में हुए कार्यक्रम में पहुंचे जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने मीडिया से बाचतीत के दौरान कहा कि देश ही नहीं, बल्कि समूचे विश्व के लिए आज का दिन ऐतिहासिक है। राम जन्मभूमि अयोध्या में भगवान श्रीराम विराजमान हुए हैं। इसके लिए हमारे पूर्वज संघर्ष करते आए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयास से अयोध्या में भगवान श्रीराम की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा हुई है और देश ही नहीं, बल्कि समूचे विश्व ने इस ऐतिहासिक क्षण को देखा है। वहीं, सांसद भागीरथ चौधरी ने कहा कि अयोध्या में भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा के साथ ही आज राष्ट्र की भी प्राण प्रतिष्ठा हुई है, यह हम सबके लिए गर्व की बात है।

उदयपुर में तेज रफ्तार का कहर

शराब पार्टी कर लौट रहे युवकों की जीप पलटी, हादसे में 5 दोस्तों की मौत

बेधड़क | उदयपुर

जिले में तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। इसके चलते एक जीप बेकाबू होकर सड़क पर पलट गई। हादसे में 5 युवकों की मौत हो गई। सभी मृतक दोस्त थे। पांचों दोस्त शराब पार्टी कर बाजार से घर लौट रहे थे। इसी दौरान हाईवे पर उनकी गाड़ी अनियंत्रित होकर पलट गई।

यह हादसा उदयपुर के बेकरिया इलाके में गोगुंदा-पिंडवाड़ा नेशनल हाईवे-27 पर उखलिया सुरंग के पास रविवार रात 8 बजे हुआ। थानाधिकारी प्रभु सिंह चुंडावत ने बताया कि हादसे में घाटा नाड़ी निवासी मनोज (22), पूना (20), आक्यावड़ निवासी नाथू (23), देवला निवासी भीमा (25) और एक युवक की मौत हो गई है। सभी नशे में थे और शाम को पांचों दोस्त गोगुंदा से अपने गांव देवला की ओर आ रहे थे। जीप तेज रफ्तार में थी। जीप जैसे ही उखलिया सुरंग से बाहर निकली। तभी ड्राइवर ने गाड़ी से संतुलन खो दिया और जीप बेकाबू होकर डिवाइडर से टकराकर हाईवे पर तीन-चार बार पलटी खाकर बीच रोड पर जाकर रुक गई।

हादसे के बाद सभी युवक जीप में बुरी तरह से फंस गए। युवकों के सिर और हाथ-पैर बुरी तरह से कुचल गए। पुलिस ने करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद सभी को बाहर निकाला। तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई थी। जबकि दो घायलों ने हॉस्पिटल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ा। हादसे की सूचना मिलते ही देर रात कलेक्टर अरविंद पोसवाल और एसपी भुवन भूषण यादव घटना स्थल पहुंचे।

थानाधिकारी ने बताया कि हादसे में मरने वाले सभी युवक देवला क्षेत्र के रहने वाले हैं। थानाधिकारी ने कहा- नाथू अपने परिवार में इकलौता था। उसके कोई भाई-बहन नहीं है।

कार सेवकों का सम्मान, मुस्लिम समाज ने भी किया स्वागत

बधाई यात्रा में गूंजी राम की महिमा

बेधड़क | सिरोही

अयोध्या में भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा के बाद सिरोही में बधाई यात्रा निकाली गई। इस दौरान श्रीराम की महिमा गूंजती सुनाईदी। भजनों पर श्रद्धालुओं ने खूब नृत्य किया। साथ ही 1990 में अयोध्या में गए कार सेवकों का सम्मान भी किया गया। आयोजन में सभी समाजों और धर्मों के लोगों ने शामिल होकर एक-दूसरे को बधाइयां और शुभकामनाएं दी।

मुख्य कार्यक्रम जूनी खराड़ी स्थित भगवान श्रीराम मंदिर के बाहर हुआ। सवेरे हवन और यज्ञ के बाद दोपहर 12.30 बजे महाआरती की गई। जिला कलेक्टर शुभम चौधरी

और जिला पुलिस अधीक्षक ज्यैष्ठा मैत्रेयि ने महाआरती कर सभी लोगों को शुभकामनाएं दी। इसके बाद बधाई यात्रा निकाली गई। बधाई यात्रा का जगह-जगह पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। यात्रा शहर के विभिन्न क्षेत्रों से होते हुए गुजरी और अंबाजी चौराहा पहुंचकर सम्पन्न हुई। मुस्लिम वक्फ कमेटी पदाधिकारियों की ओर से आपसी भाईचारे का संदेश दिया गया। इस दौरान कदीर कुरैशी, जहूरखान, शोकत नागौरी, लईक अहमद, शरीफ रंगरेज, रूस्तमभाई, साजीद जाजम आजाद कायमखानी सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

श्रीरामलला मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा का छाया उल्लास

किन्नर समाज की शोभायात्रा का स्वागत

बेधड़क | अजमेर

भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में पूरे देश में दिवाली मनाई जा रही है तो वहीं अजमेर भी पूरी तरह से राममय नजर आया। यहां किन्नर समाज की सबसे बड़ी गद्दी है।

वहीं, गद्दीनशीन सलौनी बाई के नेतृत्व में सोमवार को कलश यात्रा निकाली गई। लोंगिया और दरगाह बाजार, देहली गेट तक निकली किन्नरों की कलश यात्रा का स्थानीय लोगों ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। मामियों के चौक में किन्नरों की हवेली से कलश यात्रा निकाली गई। गद्दीनशीन

सलौनी ने कहा कि 500 वर्षों की सनातन धर्म को मानने वाले लोगों का इंतजार था, वो आज खत्म हो गया है। अयोध्या में बने भव्य मंदिर में भगवान श्रीराम विराज गए हैं। ऐसे में किन्नर समाज भी इस शुभ घड़ी को लेकर काफी उत्साहित है। भगवान श्रीराम ने किन्नर समाज को आशीर्वाद दिया था कि तुम्हारी दुआ और बद्दुआ दोनों ही फलीभूत होगी। यह हमारे लिए भी गर्व की बात है कि प्रभु अयोध्या में विराजे हैं।

सोनम किन्नर ने बताया कि यूपी के सुल्तानपुर से वो भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में किन्नर समाज की ओर से निकल गई शोभायात्रा में शिरकत करने के लिए आई।

सोनम ने कहा कि रामचरितमानस में तुलसीदास ने वर्णन किया है कि जब भगवान श्रीराम का जन्म हुआ था, तब किन्नर ने उन्हें आशीर्वाद दिया था।

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा पर केंद्रीय मंत्री शेखावत बोले

आज भारत के सौभाग्य और रामराज स्थापना का दिन

बेधड़क | जोधपुर

अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर सोमवार सुबह जोधपुर भदवासिया सब्जी मंडी में आतिशबाजी की गई। हजारों लोगों की उपस्थिति में केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने जय श्रीराम के उद्घोष के बीच कहा कि आज भारत के सौभाग्य-स्वाभिमान और रामराज की स्थापना दिन का है, हम संकल्प लें कि अपना देश विकसित हो और देश में राम का आदर्श स्थापित हो।

शेखावत ने कहा कि आज का दिन लाखों लोगों का प्रण पूरा होने का दिन है। हजार साल के इतिहास में हिंदुस्तान पर ढेरों आक्रमण हुए। हजारों बार हिंदुस्तान की संस्कृति और धर्म नष्ट को करने की

कोशिश की गई। लाखों लोग जो राम मंदिर के लिए घरों से निकले, आज उन सबका प्रण पूरा होने का दिन है।

उन हजारों लोगों का दिन है, जिन्होंने भरी जवानी में प्रण लिया कि भगवान राम का मंदिर बनेगा। आज का दिन उन लाखों माताओं और बहनों के संकल्प का दिन है, जिन्होंने अपनी राखी रामजी के मंदिर में समर्पित होने के लिए भेज दी।

आज जेठाराम परिहार, राम शरद कोठारी और महेंद्र नाथ अरोड़ाजी जैसे अनेक लोगों का बलिदान फलीभूत हुआ है।

सनातन के बीज को समाप्त करना चाहते थे

शेखावत ने कहा कि राम के मंदिर को जिन लोगों ने तोड़ा वह केवल मंदिर तोड़ने का विषय नहीं है। केवल एक भवन या आस्था को दूषित करने या खंडित करने का विषय नहीं है। 500 साल पहले जिस समय मंदिर तोड़ा गया तब हिंदुस्तान में 8-10 करोड़ लोग ही थे। हिंदुस्तान में कहीं भी मस्जिद बना सकते थे, लेकिन मंदिर तोड़ा, क्योंकि हिंदुस्तान की संस्कृति और हमारे मन में जो सनातन का बीज है वह उस बीज को समाप्त करना चाहते थे। सनातन के बीज को समाप्त करने की चेष्टा हजारों साल तक हुई है। उस बीज को नहीं मिटने देंगे। इसलिए उसी जगह पर भगवान राम का मंदिर बनाने का संकल्प लिया।

भारतभूमि से निकला राम का चरित्र दुनियाभर में फैला

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि भारत की भूमि से निकला हुआ राम का चरित्र दुनिया भर में फैला है। 200 से ज्यादा भाषाओं में राम के चरित्र की लीलाएं, गाथाएं और कथा लिखी गई हैं। कई देश जो हिंदू नहीं हैं, वहां के लोग राम को अपने यहां का निवासी मानते हैं। भगवान राम के उत्सव में अपने आप को जुड़ा हुआ मान रहे हैं।

सैटेलाइट से फोटो खींचें तो भगवा ही दिखेगी

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जब हम कारसेवा में गए थे, तब नारा लगा था, घर-घर भगवा छाएगा, रामराज फिर आएगा। रविवार को मैं जयपुर से आ रहा था तो रास्ते में हर जगह भगवा ही भगवा और केसरिया लहरा रहा था। आज सैटेलाइट से भारत का कोई फोटो खींचे तो भारत भगवा से सराबोर दिखेगा।

आज का दिन हमारे लिए गौरवशाली पल: बैरवा

बेधड़क | दौसा

उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा सोमवार को दौसा जिले के सिकराय कस्बे के दौरे पर रहे। वे यहां भाजपा विधायक विक्रम बंशीवाल द्वारा आयोजित राम उत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

इस दौरान उन्होंने कहा अयोध्या में सैकड़ों साल बाद बने भव्य मंदिर में भगवान श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा हुई है। यह प्रत्येक भारतीय के लिए गौरव का पल है कि अब पूरे विश्व में सनातन संस्कृति का डंका बज रहा है। उन्होंने कहा केंद्र व राज्य सरकार ने जनहित की कई योजनाएं चलाई हुई है, ऐसे में लोगों को योजनाओं का फायदा लेना चाहिए। साथ ही मानपुर चौराहे से बहरावड़ा तक

रोडवेज संचालित करने तथा गवर्नमेंट कॉलेज में रिक्त पदों पर जल्द ही शैक्षिक स्टाफ लगाने का भरोसा दिलाया। वहीं विधायक विक्रम बंशीवाल ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूरे विश्व में देश की अलग पहचान बनी है। चाहे धारा 370 हटाने का काम हो या फिर नागरिकता कानून और अब भव्य राम मंदिर का निर्माण व प्राण प्रतिष्ठा होने के साथ ही साबित हो गया है कि बीजेपी कभी झूठे वादे नहीं करती।

घर बैठे मोटी कमाई का जरिया, अपनी सुविधा अनुसार करें काम

वर्क फ्रॉम होम करने वालों के लिए फ्रीलांसिंग जॉब्स बेहतर विकल्प

बेधड़क | नई दिल्ली

कोविड-19 के बाद नौकरी पेशा वाले लोगों के अंदर तेजी से बदलाव देखने को मिला है। बहुत से लोग अब ऑफिस से काम करना पसंद नहीं करते हैं ताकि वे काम और फैमिली में अच्छे से सामंजस्य बिठा सकें।

अगर आप भी कुछ ऐसा ही करने के बारे में सोच रहे हैं तो फ्रीलांसिंग जॉब्स आपके लिए बेहतर विकल्प हो सकती हैं। इन जॉब्स में आप अपने समय के अनुसार काम कर सकते हैं और अपनी फैमिली के साथ सामंजस्य बिठा सकते हैं। हम यहां कुछ ऐसी ही फ्रीलांसिंग जॉब्स के बारे में बता रहे हैं जिनको करके आप घर से मोटी कमाई का जरिया ढूंढ सकते हैं।

कंटेंट राइटर्स की है भारी मांग

वर्तमान समय में हर कंपनी अपने मार्केटिंग, एडवर्टाइजिंग के लिए कंटेंट राइटर्स की खोज में रहती हैं। इसके साथ ही बहुत सी न्यूज वेबसाइट्स, अखबार भी फ्रीलांसर को आर्टिकल लिखने के लिए रखते हैं। अगर आप भी हिंदी या अंग्रेजी में अच्छा लिख सकते हैं तो यह विकल्प आपके लिए बहुत ही अच्छा है। इसमें आप पैकेज के अनुसार या पर कंटेंट के अनुसार जॉब पा सकते हैं और उसी के अनुसार नौकरी कर सकते हैं।

वीडियोज बनाकर कर सकते हैं कमाई

बहुत सी कंपनी अपने प्रोडक्ट की रीच बढ़ाने के लिए वीडियो का सहारा लेती हैं। अगर आप बोलने में सक्षम हैं और कैमरा फ्रेंडली हैं तो यह क्षेत्र आपको नयी ऊंचाइयां प्रदान कर सकते हैं। आप किसी कंपनी के लिए वीडियो बनाकर अच्छी कमाई कर सकते हैं। किसी एक क्षेत्र में एक्सपर्ट होने के बाद आप अपना काम भी शुरू करके लाखों की कमाई कर सकते हैं।

ब्लॉगिंग

अगर आपकी लेखन कला बेहतर है तो आप ब्लॉगिंग के जरिये भी पैसा कमा सकते हैं। बहुत से कंपनियां ब्लॉगर को फ्रीलांस काम उपलब्ध करवाती हैं। किसी और के लिए ब्लॉग लिखने के अलावा आप इस क्षेत्र में खुद की ब्लॉगिंग साईट भी खोल सकते हैं और कमाई कर सकते हैं। एक बार गूगल से एडसेंस की मंजूरी मिलने के बाद आप यहां से लाखों रुपए आसानी से कमा सकते हैं। इन सबके अलावा आप डाटा एंट्री, वेब डेवलपमेंट, ट्रांसलेटर, ग्राफिक डिजाइनिंग, वेबसाइट क्रिएटर, वीडियो एडिटर जैसे क्षेत्र में भी फ्रीलांस काम करके कमाई कर सकते हैं।

कॉपी राइटर

फ्रीलांस वर्क करने वालों के बीच कॉपी राइटर कॉमन ऑप्शन है। एक फ्रीलांस कॉपी राइटर न्यूजलेटर, एडवर्टाइज कॉपी, ईमेल, ईबुक, लेख सहित विभिन्न प्रकार के कंटेंट लिख सकता है। स्ट्रांग कम्युनिकेशन स्किल हो तो कोई भी व्यक्ति बतौर कॉपी राइटर अच्छे पैसे कमा सकता है।

Yuva स्टोरीज

MDSU में दो दिन होगी कल्चरल एक्टिविटी

बेधड़क | जयपुर

महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय अजमेर 23 एवं 24 जनवरी को विकसित भारत/2047 थीम पर आधारित अंतर महाविद्यालय सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं (आईसीसीसी-2024) का आयोजन किया जाएगा।

इन प्रतियोगिताओं में महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय अजमेर से संबद्ध महाविद्यालयों के छात्र एवं छात्राएं सहभागिता करेंगे। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. शिव प्रसाद ने बताया कि विकसित भारत/2047 थीम पर आधारित विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी, जिसमें स्पॉट पेंटिंग, कोलाज मेकिंग, पोस्टर मेकिंग, क्ले मॉडलिंग, कार्टून बनाना, रंगोली, फोटोग्राफी एवं मेहंदी की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएगी। साहित्यिक विषयों में क्विज, वकतृता (इलोक्युशन) तथा वाद-विवाद प्रतियोगिताओं के आयोजन के साथ ही थिएटर थीम में वन एक्ट प्ले, स्किट, मिमिक्री की प्रतियोगिताओं में भाग लेने का विद्यार्थियों को अवसर प्राप्त होगा। उन्होंने बताया कि सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में भारतीय संगीत कला जिसमें गायन वादन के साथ-साथ पाश्चात्य संगीत प्रतियोगिताओं के भी आयोजन होंगे। जिसमें सामूहिक गायन, लोक संगीत तथा नृत्य सेक्शन में लोकनृत्य, जनजातीय नृत्य एवं शास्त्रीय नृत्य पर छात्र अपनी प्रस्तुति देंगे।

गुणावत को पत्रकारिता में पीएचडी की उपाधि

बेधड़क | टोंक

वनस्थली विद्यापीठ, निवाई राजस्थान के 40वें दीक्षांत समारोह में जयसिंह गुणावत को "डॉक्टर आफ फिलॉसफी' की उपाधि से सम्मानित किया गया। शोधार्थी डॉ. जय सिंह गुणावत को पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग में शोध कार्य टेलीविजन समाचार चैनलों का युवाओं पर प्रभाव (राजस्थान के विशेष सन्दर्भ में) किया है। इनके शोध कार्य को भारत सरकार से पेटेंट का अधिकार भी मिला है।

लगातार तरक्की कर रहा फैशन का क्षेत्र

फैशन डिजाइनर बनने के लिए स्किल्स पर करें काम

बेधड़क | नई दिल्ली

फैशन डिजाइनिंग दुनिया में अत्यधिक रचनात्मक और डिमांड वाले करियर में से एक है। यह विशेष रूप से उन लोगों के लिए है जो फैशन के रुझानों, स्केच डिजाइनों की पढाई करना, पहनावे में कुछ नया और रचनात्मक क्रिएट करना पसंद करते हैं।

फैशन डिजाइनिंग में करियर करियर शुरू करने के लिए एक बुनियादी डिजाइन डिप्लोमा या डिग्री प्रोग्राम लेने की जरूरत होती है जो आपको कपड़े और परिधान डिजाइन करने के साथ-साथ नए ट्रेंड का अध्ययन करने की पेचीदगियों को सीखने में मदद कर सकता है। दुनियाभर के लोग नए तौर-तरीकों को अपनाने के लिए नए फैशन को अपनाते हैं ताकि वे लोगों के साथ कदम से कदम मिलाकर चल सकें और किसी से भी पीछे न रहें। आज बच्चे, युवा या बुजुर्ग हर कोई नए फैशन के तौर पर चलना चाहता है। इसलिए दुनियाभर में फैशन का क्षेत्र लगातार तरक्की कर रहा है और आगे भी इस क्षेत्र में बेहतर स्कोप है।

देश-विदेश के लेटेस्ट फैशन ट्रेंड की जानकारी आवश्यक

फैशन डिजाइनर बनने के लिए कर सकते हैं ये कोर्स

फैशन डिजाइनर बनने के लिए विभिन्न कोर्सेज इस समय उपलब्ध हैं जिनको करके आप इस क्षेत्र भविष्य की राहें बेहतर बना सकते हैं। इस क्षेत्र में यूजी, पीजी, डिप्लोमा वसर्टिफिकेट सभी प्रकार के कोर्सेज मौजूद हैं। इनमें से बैचलर ऑफ फैशन डिजाइनिंग बीएससी इन फैशन डिजाइनिंग, बैचलर ऑफ फैशन कम्युनिकेशन, डिप्लोमा इन फैशन डिजाइनिंग, डिप्लोमा इन फैशन स्टाइलिस्ट, एमए इन फैशन डिजाइनिंग, पीजी डिप्लोमा इन फैशन डिजाइनिंग और मास्टर ऑफ फैशन मैनेजमेंट प्रमुख हैं।

करियर के अवसर

इन कोर्स को करके आप फैशन डिजाइनर, रिटेल मैनेजर, फैशन स्टाइलिस्ट, फुटवियर डिजाइनर, ज्वेलरी डिजाइनर, पर्सनल शॉपर, मेकअप आर्टिस्ट, फैशन फोटोग्राफर, फैशन जर्नलिस्ट, टेक्सटाइल डिजाइनर आदि बनकर अच्छी सैलरी प्राप्त कर सकते हैं। अनुभव के साथ ही आपके वेतन में बढ़ोत्तरी होती जाती है।

रिटेल बायर

एक बार जब आप फैशन डिजाइनिंग में अपना करियर बना लेते हैं, तो आपको इस बात की अच्छी समझ होगी कि कौन से कपड़े किस पर अच्छे लगेंगे। एक खुदरा खरीदार के रूप में, आप अपना खुद का स्टोर बना सकते हैं और अपने उत्पाद बेच सकते हैं या आप अन्य डिजाइनरों से भी उत्पाद प्राप्त कर सकते हैं। अगर सही तरीके से किया जाए तो यह क्षेत्र काफी आकर्षक है।

क्रिएटिव होना बेहद जरूरी

एक सफल फैशन डिजाइनर बनने के लिए आपका क्रिएटिव होना बेहद जरूरी है। इसके साथ ही आपकी आर्ट भी बेहतर होनी चाहिए जिससे आप उस डिजाइन को पहले पेपर पर डिजाइन कर सकें। इसके साथ ही अच्छा फैशन डिजाइनर बनने के लिए टेक्सचर, रंग, कलर कॉम्बिनेशन, अच्छी कम्युनिकेशन स्किल्स देश-विदेश के लेटेस्ट फैशन ट्रेंड की जानकारी होना आवश्यक है।

फैशन स्टाइलिस्ट

जब हम फैशन डिजाइनिंग में करियर की बात करते हैं तो यह सबसे कठिन और सबसे रोमांचक जॉब प्रोफाइल में से एक है। एक फैशन स्टाइलिस्ट होने के नाते आपका काम कस्टमर के बॉडी टाइप, प्रेफरेंस और पसंद के अनुसार डिजाइनर कलेक्शन से सही आउटफिट का चयन करना है। एक स्टाइलिस्ट मेकअप, एक्सेसरीज, हेयर स्टाइल से लेकर किसी व्यक्ति के ओवरऑल लुक का ख्याल रखता है।

क्या होनी चाहिए योग्यता

फैशन डिजाइन/फैशन टेक्नोलॉजी/ टेक्सटाइल डिजाइन या संबंधित क्षेत्रों में डिप्लोमा या डिग्री होना अनिवार्य है। 12वीं के बाद फैशन डिजाइनर बनने के लिए एनआईडी परीक्षा/यूसीईईडी/ सीईईडी/निफ्ट एंट्रेंस एग्जाम निकालना पड़ेगा। इसके साथ ही प्राइवेट कॉलेज से भी सर्टिफिकेट कोर्स कर सकते हैं। वहीं पोस्टग्रेजुएट लेवल कोर्स के लिए किसी मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएशन की डिग्री होना जरूरी है।

भारत की बहुरंगी संस्कृति की दिखी झलक

बेधड़क | जयपुर

ब्रह्मपुरी स्थित एवर शाइन सेकंडरी स्कूल का 15वां वार्षिक उत्सव रविंद्र मंच पर आयोजित किया गया। इसमें विद्यालय के बच्चों ने नृत्य, गीत-संगीत और अभिनय से भारत की बहूरंगी संस्कृति को साकार कर दिया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में बच्चों ने एक तरफ जहां कई राजस्थान सहित कई राज्यों के लोकनृत्यों की रंगत बिखेरी वहीं समुद्र मंथन, शिव तांडव सहित प्रभु राम के जीवन पर आधारित कई प्रसंगों को प्रदर्शित करते हुए भारत की आध्यात्मिक धरोहर से भी दर्शकों को रूबरू कराया। विद्यालय निदेशक आयुष बैराठी ने बताया कि इस मौके पर विद्यालय के बच्चों ने अलग-अलग थीम पर प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि फोर्टी के सुरेश अग्रवाल थे। उन्होंने विद्यालय परिवार को आयोजन के लिए बधाई दी और बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे हिंदी या अंग्रेजी किसी भी माध्यम में पढ़ाई करें, लेकिन अपने संस्कारों को नहीं भूलें। माता-पिता, परिवार, समाज और देश के प्रति अपने कर्तव्यों को हर हार में निभाने का प्रयास करें। विद्यालय प्राचार्या यशोदा नेगी ने कार्यक्रम में पधारे सभी अतिथियों व अभिभावको का आभार जताया। उन्होंने कार्यक्रम की सफलता के लिए विद्यालय स्टाफ की ओर से की गई तैयारियों की भी प्रशंसा की। अतिथियों ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की शुरूआत प्रथम पूज्य भगवान गणेश और मां शारदा की वंदना के साथ हुई। इस मौके पर विद्यालय की विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर आने वाले विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया।

इन सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा मन

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के दौरान शिव तांडव की थीम पर प्रस्तुत नृत्य नाटिका ने दर्शकों का मन मोह लिया। यक्षिका शर्मा ने बताया कि शिव थीम को लेकर हम सभी ने काफी मेहनत की है। इसके लिए करीब 15 दिन तक रिहर्सल की थी। वहीं छात्रों ने एक सैनिक के जीवन और मातृभूमि के प्रति उसके प्रेम को नृत्य नाटिका के माध्यम से दर्शाया। जब मां अपने बेटे से को सीमा पर जाने से रोकती है तो सैनिक यह कहते हुए आगे बढ़ जाता है कि तुम मेरी जन्म देने वाली मां हो तो यह भारत भूमि भी मेरी मां है। इसकी रक्षा करना भी मेरा सबसे बड़ा फर्ज है। इस दृश्य को देखकर हर कोई रोमांचित हो उठा। वहीं विद्यार्थियों ने रामचरित्र मानस के भी कई प्रसंगों को साकार किया। इसमें धनूष यज्ञ, सिता हरण, हनुमानजी द्वारा सागार पार जाना, लंका दहन, लक्ष्मणजी पर शक्ति प्रहार, मेघनाथ-कुंभकर्ण और रावण वध और राजतिलक प्रसंग का मंचन किया। इस दौरान सभागार में जयश्रीराम का उदघोष गूंजता रहा। इससे पूर्व मंच पर एलकेजी, यूकेजी की बच्चियों ने भी जोरदार प्रस्तुति दी।

स्कूल शिक्षा विभाग की नई पहल — मास्टर्स ट्रेनर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम लॉन्च

प्रदेश के 16 हजार नवनियुक्त शिक्षकों को इंडक्शन ट्रेनिंग देने की तैयारी

बेधड़क | जयपुर

स्कूल शिक्षा विभाग की ओर से प्रदेश के 16 हजार शिक्षकों को इंडक्शन ट्रेनिंग दी जाएगी। जिसके लिए विभाग ने मास्टर्स ट्रेनर्स के प्रशिक्षण कार्यक्रम लॉन्च कर दिया है। इसके प्रथम चरण का उद्घाटन सोमवार को स्कूल शिक्षा विभाग के शासन सचिव नवीन जैन ने किया गया। स्कूल शिक्षा विभाग के इस महा मिशन के तहत शासन सचिव नवीन जैन के मार्गदर्शन में राज्य स्तर पर स्टेट रिसोर्स ग्रुप के 11 सदस्यों द्वारा एक ट्रेनिंग मॉड्यूल बनाया गया है। इस ग्रुप के सदस्यों द्वारा तीन चरणों में 450 मास्टर ट्रेनर्स को चार दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण दिया जाएगा। ये प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स जिलों में नवनियुक्त ग्रेड-3 के लेवल-1 के 16 हजार शिक्षकों को विशेष प्रशिक्षण देंगे। उदघाटन सत्र को सम्बोधित करते हुए शासन सचिव नवीन जैन ने कहा कि राजस्थान के शैक्षिक परिदृश्य में गुणवत्ता लाने के लिए हमें प्राथमिक और उच्च प्राथमिक कक्षाओं की शिक्षण प्रक्रिया को मजबूत करना होगा। क्वालिटी एजुकेशन राजस्थान के हर बच्चे का अधिकार है। प्रदेश के राजकीय विद्यालयों में अध्ययनरत प्रत्येक विद्यार्थी को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने को शिक्षक अपना लक्ष्य बनाए, इससे वे आने वाले कल में देश का भविष्य बदल सकते हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में नवनियुक्त शिक्षक प्रशिक्षण मॉड्यूल का विमोचन भी किया गया।

मेहनत को दिशा देने का कार्य करता है प्रशिक्षण

इस अवसर पर नवीन जैन ने स्टेट रिसोर्स ग्रुप से आह्वान किया कि वे अपनी पूरी रूचि, ऊर्जा व विधाओं के साथ प्रशिक्षण दें, ताकि संभागी अपने बेहतरीन इनपुट दे सकें। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रम, मेहनत को दिशा देने का कार्य करता है। शिक्षण प्रक्रिया में सही दिशा और मेहनत से ही लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है। इस प्रशिक्षण से ये मास्टर ट्रेनर्स नवनियुक्त शिक्षकों को एक प्रगतिशील, नवाचारी और नवीन तकनीक युक्त शिक्षण प्रक्रिया जो सामाजिक सरोकारों व मूल्यों से युक्त हों, के लिए तैयार करेंगे।

लगातार सीखना ही जीवन

उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद के राज्य परियोजना निदेशक एवं आयुक्त अविचल चतुर्वेदी ने कहा कि शासन सचिव नवीन जैन का विजन बहुत ही प्रेरणादायी है, जिससे शिक्षा विभाग लाभान्वित हो रहा है। उन्होंने कहा स्टेट रिसोर्स ग्रुप ने बहुत कम समय में नवीन शिक्षण विधाओं, नवीन तकनीक व सामाजिक सरोकारों को सम्मिलित करते हुए नवनियुक्त शिक्षक प्रशिक्षण मॉड्यूल तैयार किया है। यहां से प्रशिक्षण के उपरांत ये मास्टर ट्रेनर्स इंडक्शन ट्रेनिंग के द्वारा नवनियुक्त शिक्षकों को बेहतरीन प्रशिक्षण प्रदान करेंगे। यह नवनियुक्त शिक्षक बच्चों की शिक्षण प्रक्रिया में विषय-वस्तु के शिक्षण के साथ-साथ जीवन जीने के तरीके अर्थात जीवन कौशल, सामाजिक सरोकारों व नई तकनीकों को समाहित करेंगे। अविचल चतुर्वेदी ने कहा कि शिक्षकों को सीखने से परहेज नहीं करना चाहिए, क्योंकि लगातार सीखना ही जीवन है।

अर्चना त्यागी
स्वतंत्र टिप्पणीकार

फिर से आ जाओ भगवान श्रीराम...

राम यानी, वो चरित्र जिसने जीवन जीने की कला सिखाई, अपना सम्पूर्ण जीवन इस तरह व्यतीत किया कि मिसाल बन गए। हर युग में, हर परिस्थिति में उनके द्वारा उठाए गए हर कदम, हर निर्णय का लोग गुणगान करते हैं। यूं ही नहीं, उन्हें मर्यादा पुरुषोत्तम कहा जाता है। उनके व्यक्तित्व का आकर्षण, कोमल वाणी का सम्मोहन और जीवन प्रबंधन अतुलनीय है। उस पर कोई प्रश्न चिह्न अंकित नहीं किया जा सकता है। उनकी उपस्थिति काल और घटनाक्रम की सीमा से परे है। एक आदर्श चरित्र, जिसके किसी भी निर्णय को गलत नहीं ठहराया जा सकता है। एक ऐसा चरित्र जो सम्पूर्ण है। ऐसा मानव, जो अपने जीवन काल में नैतिकता के मापदंड खड़े करता है। इस चरित्र को निभाने के लिए गहन साधना की आवश्यकता है। अप्रतिम, अतुलनीय और अनमोल।

वनगमन का प्रसंग हो या सीताहरण का। रावण के साथ युद्ध हो अथवा लव कुश के साथ संग्राम। सभी घटनाओं में वो प्रेरित करते हैं। युगों से प्रेरणा देते आ रहे हैं। कलियुग में कोरोना की त्रासदी से गुजर रहे जनमानस ने अब भी श्रीराम को अपने भीतर जीवित रखा है। उनके प्रशंसकों की संख्या बढ़ती ही जा रही है। ठीक उसी गति से जैसे संक्रमण बढ़ रहा है। सबको आशा है कि श्रीराम अवश्य ही कोई राह सुझाएंगे, कोई रास्ता बताएंगे। यह राम में आस्था ही है, जिसने विषम परिस्थितियों में भी मनोबल बचा रखा है। कोरोना का रूप धरकर आए राक्षस को समूल नष्ट करने राम किसी भी क्षण आ जाएंगे। कोरोना रूपी राक्षस के जितने भी सिर हों, सबको काट डालेंगे और मानव को इस बर्बादी से बचा लेंगे। हर तरफ आतंक का साया है। अगले पल क्या हो जाए, कोई नहीं जानता है। असुरक्षा एवं असहिष्णुता हवा में घुल गई है। एक अति सूक्ष्म, अदृश्य प्राणी (वायरस) ने मानव को ललकारा है। संपूर्ण प्रगति धूमिल होती नजर आ रही है। दुख

इस बात का है कि इस स्थिति के बदलने के हालात नजर नहीं आ रहे हैं। जीवन रुक गया है। फिर से श्रीराम याद आ रहे हैं। उनके दिव्य अस्त्र याद आ रहे हैं। एक ऐसा तीर उनके धनुष से चल जाए कि कोरोना रूपी राक्षस समूल नष्ट हो जाए, उसकी आने वाली नस्लें भी न आ पाएं और फिर से जीवन सामान्य हो जाए। वायुमंडल, जल और पृथ्वी शुद्ध हो जाए। इस ब्रह्मांड से सभी दुख भस्म हो जाएं। सभी सोच रहे हैं कि कैसे तुम्हें बुलाएं कौसल्या नंदन? कौन-सा उपाय करें कि तुम एक बार फिर से धरती पर अवतरित हो जाओ। अपने दिव्य नेत्रों से प्रकृति की इस विनाश लीला को देख लो। अपनी मुस्कान से सर्वत्र फैले दुख को हर लो। हम सब भारतवासी करबद्ध तुम्हारी मनुहार करते हैं। हे राम! अब आ जाओ। यदि जीवन दिया है तो जीने का रास्ता भी बताओ। वो तुम ही हो, जो विषम परिस्थितियों में जीने की कला सीखा सकते हो। केवल तुम ही इस दारुण दुख से छुटकारा दिला सकते हो। मनुष्य के सभी प्रयत्न निष्फल हो चुके हैं। हे राम! अब देर न करो, आ जाओ और इस विपत्ति से मुक्ति दिला जाओ।

"बच्चे बूढ़े और जवान,
बोल रहे हैं एक जबान।
अब देर नहीं हे नाथ करो,
बस आ जाओ श्री राम"

अयोध्या में हुई धर्म की पुन: स्थापना

प्रभु के रोम-रोम में समाए हैं अनेक ब्रह्मांड

प्रकाश हेमावत
स्वतंत्र टिप्पणीकार

आधुनिक काल की इस पीढ़ी ने प्राण प्रतिष्ठा समारोह में प्रभु राम को प्रथम बार देखा तो उन्हें ईश्वर के दिव्य रूप में देखकर आश्चर्य से आत्मा की आंखें भर आईं। हमारे साधु संतों के मुखारविंद से निकली वाणी और शास्त्रों में यह लिखा हुआ है कि प्रभु के रोम-रोम में अनेक ब्रह्मांड समाए हैं। उनके दर्शन मात्र से ही शबरी, अहिल्या, जटायु, केवट जैसे सेवक और भक्तों के जीवन की नैया को पार कर चुके हैं तो आज हम हमारे इस मानव जीवन को प्रभु की नाम मात्र की तपस्या करके ही अपने ही जीवन को भवसागर से पार करने में अहम भूमिका निभाएंगे, क्योंकि ईश्वर सगुण है, निर्गुण है, साकार है और निराकार भी है।

देकालचक्र चलते-चलते आज समय थम-सा गया होगा। वह भी अपने प्रभु श्रीराम के अद्भुत अद्वितीय अलौकिक छवि का दर्शन करने के लिए पलक झपकते हुए समय के क्षण भर रुक गया होगा। हाथों की चंद लकीरों का क्या है वो तो सिर्फ दिखती हैं, जब वही लकीरें किसी शब्द में तब्दील हो जाएं तो किसी इतिहास को लिखने में किसी भी प्रकार से देर नहीं करतीं। सभी लोग कहते हैं कि लगन, निष्ठा और ईमानदारी से किए गए कार्य की सफलता नए सोपान को लिखती है, वही ईमानदार व्यक्ति चाहे उसकी कोई प्रतिमा कहीं बने या ना बने, लेकिन वह व्यक्ति हर एक आदमी के सोच में जिंदा रहेगा ।

तुलसीदास जी ने रामचरितमानस में श्रीराम के जन्म का भावपूर्ण वर्णन किया है। उतना वर्णन आज मेरी कलम तो क्या किसी की भी कलम नहीं कर सकती है, क्योंकि महर्षि वाल्मीकि के बाद बाबा तुलसीदास ही ऐसे थे, जिन्होंने राम को घर-घर तक पहुंचाया है। इसी आधार और पूर्ण विश्वास के साथ कर सकता हूं कि हमारे पूर्वजों द्वारा की गई भागीरथी तपस्या और कारसेवकों का बलिदान इस बात का प्रतीक बन गया है कि अयोध्या में राम मान-सम्मान और स्वाभिमान के साथ विराजित हो गए। भगवान श्रीराम 22 जनवरी 2024 की ऐतिहासिक तारीख इतिहास के पन्नों पर स्वर्ण अक्षरों में अनंत काल के लिए आस्था और विश्वास के रूप में अंकित कल्पनाओं के साथ विचारों के समुद्र में गोता लगाकर आज हर एक मानव मन राम नाम के हीरे मोती माणिक के स्वरूप में अंकित कर का उन्हें निखार रहा है, उन्हें देख रहा है। यह कहते हुए अत्यंत हर्ष का विषय है कि व्यक्ति, समाज, देश, विश्व में कौन-सी ऐसी जगह बची है, कौन-सा ऐसा मानव मन, तन बचा है, जो इस पुनीत, पावन कार्य से वंचित रह गया है। नई रोशनी की तरह ऊंचाइयों को छूती हुई भारतीय सनातन संस्कृति की भावना का यह क्षण शबरी की प्रतीक्षा को पूरी करता दिखा और पाषाण रूप में तपस्या में लीन मां अहिल्या का राम के चरण स्पर्श होने ऐसा लगा, जो नवधा भक्ति का अहसास हुआ है, वह अहसास किसी तरह भावनाओं में बंध नहीं सकता है।

आधुनिक काल की इस पीढ़ी ने प्राण प्रतिष्ठा समारोह में प्रभु राम को प्रथम बार देखा तो उन्हें ईश्वर के दिव्य रूप में देखकर आश्चर्य से आत्मा की आंखें भर आईं। हमारे साधु संतों के मुखारविंद से निकली वाणी और शास्त्रों में यह लिखा हुआ है कि प्रभु के रोम-रोम में अनेक ब्रह्मांड समाए हैं। उनके दर्शन मात्र से ही शबरी, अहिल्या, जटायु, केवट जैसे सेवक और भक्तों के जीवन की नैया को पार कर चुके हैं तो आज हम हमारे इस मानव जीवन को प्रभु की नाम मात्र की तपस्या करके ही अपने ही जीवन को भवसागर से पार करने में अहम भूमिका निभाएंगे, क्योंकि ईश्वर सगुण है, निर्गुण है, साकार है और निराकार भी है। वैसे, सच्चा भक्त किसी भी प्रकार के तर्क, वाद-विवाद के व्यर्थ के जंजाल में नहीं पड़ता। वह ईश्वर के प्रेम में निष्कपट होकर, सबसे परे, विशुद्ध प्रेममय होकर सर्वहारा हो जाता है।

जीवन में परेशानी तो आती रहती है, राम ने अपने जीवन में सत्यता को साक्षी मानते हुए तथा अपनी रघुकुल रीत निभाते हुए वन चले गए और इस वन गमन में उन्हें कितनी परेशानी हुई इस बात का अंदाजा लगाना हमारी कल्पन से बाहर की बात होगी, क्योंकि उसे वक्त क्या स्थिति रही होगी, जब वे पैदल चल रहे थे, 14 साल के वनवास के दौरान उन्होंने कितनों को तारा है और कितनों को पार लगाया है। यह हम सब अच्छी तरह से जानते हैं, क्योंकि प्रभु श्रीराम ने झूठ, फरेब और अधर्म रूपी रावण का अंत करके धर्म की स्थापना की है, आज उसी धर्म की पुनः स्थापना हुई है ।

कविता

कवि
दिनेश विजयवर्गीय

देश की संस्कृति में बसे हैं राम

देश की आत्मा एवं लोक जीवन के
कण-कण में व्याप्त है राम
उनका जीवन हमारे लिए
बना हुआ है आदर्श एवं प्रेरणा स्रोत
राम पूजनीय है
जो वर्षों से देश की संस्कृति
में रचे बसे हैं
राम से बना राम-राम आत्मीयता से
भरा सहज अभिवादन है
जो लोगों की जुबान से सहजता
से जुड़ा हुआ है
गांव में घर के बाहर चबूतरे पर
बैठे बुजुर्ग से गुजरने वाले लोग
अभिवादन में करते हैं राम-राम
दिवाली के त्योहार पर भी
कुशलक्षेम के दिए करते हैं राम-राम
राम-राम में समाहित है जन-जन
के लिए मंगल कामना
राम के त्याग,समर्पण भाईचारे
व अनुशासन भरे
आदर्श जीवन को
शत-शत नमन !

गौर गोपाल दास, आध्यात्मिक गुरु
@gaurgopald
रामायण ऐसे सबक प्रदान करती है जो हमें संकल्प, धैर्य और आंतरिक शक्ति के साथ जीवन की चुनौतियों से निपटने में मदद कर सकते हैं। किसी भी धार्मिक, सांप्रदायिक, सांस्कृतिक या राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर, श्रीराम एकजुट करने वाली शक्ति बने जो एक राष्ट्र के रूप में हम भारतीयों और पूरे विश्व में सद्भाव और एकता लाते हैं।

अरुण गोविल, अभिनेता
@arungovil12
जिस इंसान के चारों तरफ नकारात्मक लोग रहते हैं, उस इंसान का मंजिल से भटक जाना तय है"

जगदीश वासुदेव, योग गुरु
@SadhguruJV
इस संस्कृति में स्वर्ग जाने की आकांक्षा नहीं है। अभीप्सा दिव्य बनने की है। इस आकांक्षा को एक प्रतिष्ठित प्रेरणा की आवश्यकता है। कई सहस्राब्दियों से, राम ऐसे प्रेरणास्रोत रहे हैं।

जया किशोरी (वक्ता),
आध्यात्मिक मार्गदर्शक
@iamjayakishori
यह इस बारे में नहीं है कि आप कहां हैं यह सब इस बारे में है कि आप कहां पहुंचना चाहते हैं।

नॉलेज कॉर्नर: ध्वनि प्रदूषण की वजह से अमेरिका में प्रतिबंधित है ये सुपरसोनिक जेट

आवाज की गति से भी तेज रफ्तार

अमेरिका ने पिछले साल सुपरसोनिक विमान एक्स-59 लॉन्च किया था। जानकारी के मुताबिक इस विमान की रफ्तार आवाज की गति से भी तेज है। आज हम आपको बताएंगे कि सुपरसोनिक विमान कैसा दिखता है और इसमें क्या-क्या विशेषता है। जानकारी के मुताबिक एक्स-59 ध्वनि की गति से 1.4 गुना रफ्तार से उड़ान भर सकता है। वहीं एक्स-59 की परीक्षण उड़ान के बाद अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नियामकों को डाटा उपलब्ध कराएगी, जिससे वाणिज्यिक सुपरसोनिक उड़ान को प्रतिबंधित करने के फैसले पर पुनर्विचार करने में मदद मिलेगी। बता दें कि इस समय अमेरिका ने तेज ध्वनि तरंगों (सोनिक बूम) के कारण होने वाले ध्वनि प्रदूषण की वजह से वाणिज्यिक सुपरसोनिक उड़ानों को प्रतिबंधित कर रखा है।

इस वर्ष में पहली उड़ान भरेगा एक्स-59

एक्स-59 का डिजाइन और आकार उसे कम ध्वनि के साथ तेज गति को प्राप्त करने में सक्षम बनाएगा। वहीं नासा की अधिकारी पाम मेलराय ने कहा था कि यह बड़ी उपलब्धि है, जो नासा और पूरी एक्स-59 टीम की कड़ी मेहनत के कारण संभव हो पाया है। लेकिन पहले अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी उड़ान परीक्षण करेगी, उड़ान परीक्षण पूरा होने के बाद ये विमान अमेरिका के कई चयनित शहरों में उड़ान भरेगी, ताकि एक्स-59 से

निकलने वाली ध्वनि को लोग कैसे समझते हैं, इसके बारे में फीडबैक मिल सके।

कैसा है एक्स-59 विमान का डिजाइन

ये विमान 99.7 फीट लंबा और 29.5 फीट चौड़ा है। वहीं एक्स-59 के आगे का हिस्सा या कहे पतली नोज इसकी लंबाई का लगभग एक तिहाई है। जो शाक वेब्स को तोड़ देगी, जिसके परिणामस्वरूप सोनिक बूम पैदा नहीं करेगा। वहीं काकपिट विमान के लगभग बीच में है और इसमें आगे की ओर कोई खिड़की नहीं है। इसके अलावा इसमें इंजन ऊपर की ओर लगाया गया है। इसके अलावा इसे एक चिकनी निचली सतह दी गई है ताकि शाकवेव्स को रोकने और सोनिक बूम पैदा करने से रोकने में मदद मिल सके।

दुनिया का पहला सुपरसोनिक विमान !

दुनिया का पहला सुपरसोनिक विमान कॉनकॉर्ड था। यह विमान आवाज की गति से भी दोगुनी तेजी से उड़ने में सक्षम था, लेकिन वर्ष 2003 में इस सुपरसोनिक विमान ने अपनी आखिरी उड़ान भरी थी। उस दिन के बाद से इस विमान की उड़ानें बंद कर दी गई थी। कंटेंट: कुलदीप सिंह जादौन

अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा: कश्मीर से कन्याकुमारी तक आयोजित हुए विभिन्न कार्यक्रम, रामरंग और उल्लास में डूबा भारत

हर ग्राम शहर नजर आए अयोध्या जैसे, रोशनी से हुए जगमग हुआ देश

एजेंसी | अयोध्या/ नई दिल्ली

अयोध्या के राम मंदिर में संपन्न हुए प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दौरान देशभर में अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। राजधानी दिल्ली सहित देशभर में धार्मिक कार्यक्रमों का सिलसिला जारी रहा। सभी बाजार पूरी तरह से श्रीराम के झंडों से सजे हुए नजर आए। शाम होते ही शहर, गांव और महानगर रोशनी में नहाए अयोध्या नगरी से नजर आए। अयोध्या शाम को 10 लाख दीयों से प्रकाशमय हो गई। इसके साथ ही रामभक्तों ने घरों, प्रतिष्ठानों, दुकानों और पौराणिक स्थलों पर 'राम ज्योति' प्रज्वलित की। अयोध्या सरयू नदी के तटों की मिट्टी से बने दीपों से रोशन हुई। अयोध्या के अलावा देशभर में भी यही दृश्य नजर आए। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के एक मोटे अनुमान के अनुसार देशभर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों का आंकड़ा एक लाख को पार किया गया। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल के अनुसार इस अवसर पर देश के विभिन्न शहरों की बाजारों में

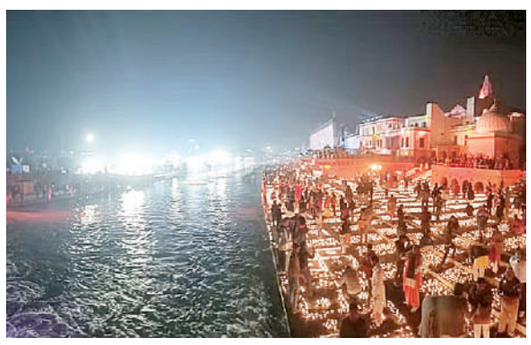

30 हजार से अधिक स्थानों पर भंडारे लगाए गए हैं। कश्मीर से कन्याकुमारी तक करीब 40 हजार कार्यक्रम आयोजित किए

बढ़ी श्यामवर्ण वाले प्रभु राम की मूर्तियों की मांग

दूसरी ओर अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के साथ ही वहां विराजित हुए श्यामवर्ण वाले प्रभु राम के बाल स्वरूप की मूर्तियों की देश और दुनिया में अचानक मांग बढ़ गई है। राजस्थान, कर्नाटक और महाराष्ट्र के काष्ठ शिल्पकारों से लेकर पत्थर पर मूर्तियों को उकेरने वालों के पास अब तक लाखों की संख्या में ऑर्डर पहुंच चुके हैं। काष्ठ शिल्पकारों के समूह समेत राजस्थान और तमिलनाडु में श्याम वर्ण की मूर्तियों को बनाने के ऑर्डर पहुंच रहे हैं। ये आर्डर सिर्फ देश ही नहीं बल्कि दुनिया के अलग-अलग देशों से भी शिल्पकारों के पास पहुंच रहे हैं। शिल्पी श्यामचरण कहते हैं कि उनके पास प्रभु राम के बाल स्वरूप की श्याम वर्ण प्रतिमा के बीते तीन दिनों से सबसे ज्यादा आर्डर मिल रहे हैं। वह कहते हैं कि उनके संगठन से जुड़े देश के प्रत्येक हिस्से के शिल्पकारों और काष्ठकारों के पास लाखों की संख्या में प्रभु राम के बाल स्वरूप को निर्मित करने के आर्डर मिल चुके हैं। जिस दिन से प्रभु राम के नए स्वरूप के दर्शन दुनिया को हुए थे, उसके बाद से ही लगातार उनके पास नए स्वरूप की डिमांड बढ़ गई है।

कहीं सुंदरकांड तो कहीं हनुमान चालीसा के हुए पाठ

देश में कई शहरों में कहीं सुंदरकांड का पाठ तो कहीं पर हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दिन दिल्ली में दो हजार से अधिक भंडारे लगे हैं। 500 से अधिक बाजारों में एलईडी स्क्रीन लगाकर व्यापारियों और लोगों को अयोध्या से सीधा प्रसारण दिखाने की व्यवस्था की गई।

विदेशों से भारतवंशी दे रहे ऑर्डर

सिर्फ देश ही नहीं बल्कि दुनिया भर में बसे भारतीय समुदाय के लोगों ने अपने घरों में अयोध्या के प्रभु राम की मूर्ति को स्थापित करने के लिए भी ऑर्डर देने शुरू कर दिए हैं।

बिलकिस मामले में सभी 11 दोषियों ने किया सरेंडर

गोधरा। गुजरात दंगों की पीड़िता बिलकिस बानो मामले के सभी 11 दोषियों ने गोधरा की उप जेल में रविवार रात समर्पण कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने इनकी सजा में छूट को 8 जनवरी को रद्द कर दिया था और 21 जनवरी तक सरेंडर करने के लिए कहा था। दोषियों ने आत्मसमर्पण के लिए और वक्त की मांग की थी। सुप्रीम कोर्ट में दाखिल याचिका में दोषियों ने खुद की सेहत व परिवार के सदस्यों की जिम्मेदारियों का हवाला दिया था, पर शीर्ष अदालत ने याचिका खारिज कर दी और पहले से तय तिथि तक समर्पण करने को कहा था। 11 दोषियों में बकाभाई वोहानिया, बिपिन चंद्र जोशी, केसरभाई वोहानिया, गोविंद नाई, जसवंत नाई, मितेश भट्ट, प्रदीप मोरधिया, राधेश्याम शाह, राजूभाई सोनी, रमेश चांदना और शैलेश भट्ट शामिल हैं।

महिलाओं के लिए आरक्षण तत्काल लागू किया जाए

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में दायर एक याचिका में महिलाओं के लिए लोकसभा व विधानसभाओं में आरक्षण संबंधी कानून को तत्काल लागू कराने की मांग की गई है। शीर्ष अदालत ने इस याचिका पर संक्षिप्त सुनवाई के बाद केंद्र सरकार से 14 दिनों के भीतर जवाब मांगा। अदालत ने कहा कि देशभर में कानून लागू करने के संबंध में सरकार का रुख जानना अहम है। कोर्ट ने कहा कि इस मामले में तीन सप्ताह के बाद सुनवाई की जाएगी। इससे पहले याचिकाकर्ता जया ठाकुर की तरफ से पैरवी कर रहे वरिष्ठ वकील विकास सिंह ने कहा, अदालत को निर्देश जारी करना चाहिए कि कानून को आम चुनाव से पहले लागू किया जाए। अदालत ने दलीलों को सुनने के बाद साफ किया कि मुकदमे में इस स्तर पर कोई आदेश पारित नहीं कर सकती।

अयोध्या से लौटने पर पीएम मोदी की अहम घोषणा

देशभर में एक करोड़ घरों पर लगेंगे सोलर पैनल

एजेंसी | नई दिल्ली

अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के बाद सोमवार शाम दिल्ली लौटते ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक अहम घोषणा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्योदय योजना के तहत देशभर में एक करोड़ घरों पर रूफटॉप सोलर लगवाए जाएंगे। पीएम ने सरकार के इस फैसले की जानकारी सोशल मीडिया पर दी। प्रधानमंत्री ने कहा, उन्होंने भारतवासियों के घरों की छतों पर निजी सोलर रूफ टॉप सिस्टम हो, ऐसा संकल्प लिया है। पीएम मोदी ने ट्वीट कर कहा, सूर्यवंशी भगवान श्री राम के आलोक से विश्व के सभी भक्तगण सदैव ऊर्जा प्राप्त करते हैं। आज अयोध्या में प्राण-प्रतिष्ठा के शुभ अवसर पर मेरा ये संकल्प और प्रशस्त हुआ कि भारतवासियों के घर की छत पर उनका अपना सोलर रूफ टॉप सिस्टम हो।

अपने संकल्प का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्योदय योजना से गरीब और मध्यम वर्ग के घरों में बिजली बिल का भार घटेगा। साथ ही भारत ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर भी बनेगा। एक अन्य पोस्ट में पीएम मोदी ने देशवासियों से अपने-अपने घरों में रामज्योति प्रज्वलित कर भगवान राम का स्वागत करने की अपील की। उन्होंने इस अपील के साथ राम मंदिर के अनुष्ठान वाली वीडियो भी शेयर की।

पिछले साल लॉन्च किया था राष्ट्रीय पोर्टल

प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले साल जुलाई में रूफटाप सोलर के लिए राष्ट्रीय पोर्टल लॉन्च किया था। इस योजना के तहत सोलर प्लांट से उत्पन्न बिजली सीधे ग्रिड में जाती है और घरेलू बिजली बिल में कमी आती है। एक किलोवाट क्षमता वाले प्लांट से लगभग 1200 से 1400 यूनिट बिजली पैदा होती है।

वर्तमान में 40 प्रतिशत की सब्सिडी दे रही केंद्र सरकार

फिलहाल केंद्र सरकार सोलर एनर्जी से जुड़ी एक योजना 'नेशनल रूफटॉप स्कीम' चला रही है। इस योजना के तहत अगर आप अपनी छत पर सोलर पैनल लगाना चाहते हैं तो 3 किलोवाट क्षमता के सोलर पैनल लगाने पर सरकार की ओर से 40 प्रतिशत सब्सिडी दी जाती है। अगर 10 किलोवाट क्षमता का सोलर पैनल लगाया जाता है तो सरकार 20 प्रतिशत सब्सिडी देती है। रूफटॉप सोलर योजना फेज-2 के तहत 30 नवंबर 2023 तक देश में रूफ टॉप सोलर से 2,651 मेगावाट क्षमता को स्थापित किया जा चुका था।

कर्नाटक: सीएम ने किया राम मंदिर का उद्घाटन, कहा...

लक्ष्मण, सीता, हनुमान जी के बिना अधूरे हैं भगवान श्रीराम

एजेंसी | बेंगलुरु

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने सोमवार को आरोप लगाया कि भाजपा ने अयोध्या स्थित मंदिर में केवल भगवान राम की मूर्ति स्थापित कर उन्हें लक्ष्मण, सीता और आंजनेय से अलग कर दिया। सिद्धरमैया ने अयोध्या में केवल भगवान राम की मूर्ति स्थापित किए जाने पर सवाल करते हुए कहा, लक्ष्मण, सीता और आंजनेय के बिना राम पूरे नहीं हो सकते। वे (भाजपा) राम को अलग कर रहे हैं, यह सही नहीं है

सिद्धारमैया ने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा भगवान राम की पूजा नहीं करती। उन्होंने कहा कि कांग्रेस महात्मा गांधी के भगवान राम की पूजा करती है। सिद्धरमैया ने यहां एक राम मंदिर का उद्घाटन करने के बाद संवाददाताओं से बातचीत के दौरान यह बात कही। उन्होंने कहा कि उनके द्वारा यहां मंदिर का उद्घाटन किए जाने का कोई राजनीतिक कारण नहीं है। उन्होंने कहा, मैंने अपने गांव में श्रीरामचंद्र मंदिर बनवाया।

किसी और दिन जाऊंगा अयोध्या

सिद्धारमैया ने सवाल किया कि क्या अयोध्या में श्रीरामचंद्र पूरे भारत के गांवों में मौजूद श्रीरामचंद्र से अलग हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह किसी और दिन अयोध्या जाएंगे। उन्होंने कहा कि वह सोमवार को वहां नहीं गए क्योंकि भाजपा श्री राम का राजनीतिकरण कर रही है।

रीति-नीति-मर्यादा का मान रखने वाले के हृदय में बसते हैं राम: अखिलेश

एजेंसी | लखनऊ

अयोध्या में रामलला के नूतन विग्रह के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के बीच सपा के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि सियाराम उस पावन हृदय में बसते हैं, जो रीति-नीति-मर्यादा का मान करता है। अखिलेश ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपने संदेश में कहा यह बात कही। इसी पोस्ट में यादव ने एक वीडियो भी साझा किया जिसमें जय श्री राम के नारों से गूंजती, भगवान राम की झांकी है। उन्होंनेकहा, मैंने पूर्व में कहा कि जो पत्थर की मूर्ति थी, आज उसमें प्राण आ जाएंगे। हम सब अब उनको उसी भावना में देखेंगे और साधना करेंगे। भगवान राम को मर्यादा पुरुषोत्तम राम भी कहा जाता है। हमें उनके दिखाए रास्ते पर चलना चाहिए।

HP: मंत्री विक्रमादित्य पहुंचे अयोध्या सीएम ने की हनुमान मंदिर में पूजा

अयोध्या से दूर रहे कांग्रेस नेताओं ने मंदिरों में की पूजा

एजेंसी | अयोध्या/ नई दिल्ली

कांग्रेस के शीर्ष नेता जहां प्राण प्रतिष्ठा समारोह से दूर रहे वहीं पार्टी के कई नेता समारोह में पहुंचे। इनमें हिमाचल सरकार के पीडब्ल्यूडी मंत्री विक्रमादित्य सिंह सहित कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व क्षेत्रीय सांसद डॉ. निर्मल खत्री तथा कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष राजेंद्र प्रताप सिंह शामिल हैं।विक्रमादित्य सिंह हिमाचल के छह बार मुख्यमंत्री

रहे वीरभद्र सिंह के पुत्र हैं। वहीं, हिमाचल प्रदेश के सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू सोमवार को शिमला के प्रसिद्ध हनुमान मंदिर जाखू पहुंचे। इस दौरान मुख्यमंत्री सुक्खू ने जाखू मंदिर में शीश नवाया और हनुमान चालीसा का पाठ किया मध्यप्रदेश के पूर्व सीएम कमलनाथ ने सोशल मीडिया पर लिखा कि आराध्य प्रभु श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा के पावन अवसर पर देशवासियों की समृद्धि और खुशहाली की कामना करता हूं। हरियाणा के पूर्व सीएम और कांग्रेस नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने सोशल मीडिया पर अयोध्या के राम मंदिर की फोटो पोस्ट करते हुए लिखा कि भगवान राम सभी की आस्था के प्रतीक हैं और हम सभी की आस्था उनके साथ है। पंजाब के पूर्व डिप्टी सीएम सुखविंदर सिंह रंधावा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट लिखी कि सभी देशवासियों को अयोध्या में हो रहे श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा समारोह की बधाई।

टीएमसी ने कोलकाता में आयोजित की सद्भावना रैली

बेरोजगारी सबसे बड़ी चुनौती: CM बनर्जी

एजेंसी | कोलकाता

अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के बीच पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राजधानी कोलकाता में सभी धर्मों के नेताओं के साथ सद्भावना रैली की अगुवाई की। उन्होंने रैली के बाद कहा कि उन्हें इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि कौन किसकी पूजा करता है।

देश में बेरोजगारी सबसे बड़ी परेशानी है। उन्होंने सवाल किया कि देश की पूंजी और संपत्ति कहां जा रही है? इस सवाल का जवाब मिलना चाहिए। रैली से पहले ममता बनर्जी ने कालीघाट मंदिर में पूजा अर्चना कीं। उन्होंने

हाल ही में राम मंदिर के उद्घाटन समारोह को लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा का चुनावी हथकंडा बताते हुए कहा था कि नौटंकी की जा रही है।

रैली में अपने समापन संबोधन में ममता बनर्जी ने कहा, मैं चुनाव से पहले धर्म का राजनीतिकरण करने में विश्वास नहीं करती। मैं ऐसी परिपाटी के खिलाफ हूं। मुझे भगवान राम की पूजा करने वालों से कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन लोगों की खान-पान की आदतों में हस्तक्षेप पर आपत्ति है।

ममता के भतीजे और टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी ने कहा, आज का दिन बंगाल के लिए गौरव का दिन है, एक तरफ पूरा देश धार्मिक कार्यक्रम में लगा हुआ है, तो दूसरी तरफ बंगाल के लोग एकजुटता दिखाने सामने आए। अलग-अलग धर्म और संप्रदाय के लोगों ने कोलकाता की रैली में शिरकत की।

तृणमूल का धर्म है सबकी सेवा

अभिषेक बनर्जी ने कहा, पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में धार्मिक सद्भाव के पक्ष में खड़ी जनता सड़क पर एकजुट होकर उतरी लोग एक साथ खड़े होकर शांति की प्रार्थना कर रहे हैं। पश्चिम बंगाल में धर्म की राजनीति नहीं होती। हमारा एक ही धर्म है- समान रूप से सबकी सेवा करनी चाहिए। इससे पहले टीएमसी ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 'एकता सभी धर्मों के केंद्र में है! आज संहति रैली में ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी के साथ अलग-अलग धर्मों और मान्यताओं ने एकजुटता दिखाई।

कांग्रेस की 'न्याय यात्रा' असम से मेघालय पहुंची

असम में राहुल को शंकर देव मंदिर जाने से रोका, बिफरे कांग्रेस के नेता

एजेंसी | गुवाहाटी

भारत जोड़ो न्याय यात्रा नौवें दिन सोमवार को असम से मेघालय में प्रवेश कर गई। यात्रा ने दोपहर बाद असम के मोरीगांव जिले से मेघालय में प्रवेश किया। इससे पहले भारत जोड़ो न्याय यात्रा निकाल रहे कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने असम में आरोप लगाया है कि उन्हें भगवान शंकर देव के मंदिर में जाने से रोक दिया गया था।

इसके बाद उन्होंने मंदिर के बाहर से ही भगवान को प्रणाम कर आशीर्वाद लिया। राहुल को मंदिर जाने से रोकने पर सियासत गरमा गई है। दूसरी ओर कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने कहा

कि मंदिर प्रशासन से काफी देर की बातचीत के बाद केवल स्थानीय सांसद और स्थानीय विधायक को बरदोवा थाने जाने की इजाजत दी गई। सुरक्षाबलों ने राहुल और अन्य कांग्रेसी नेताओं को रास्ते में हैबरगांव में रोक दिया। यहां सुरक्षाबलों से बहस के बाद राहुल और अन्य कांग्रेसी नेता धरने पर बैठ गए।

राहुल गांधी ने किया सवाल-मैं मंदिर क्यों नहीं जा सकता !

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, भारत की सांस्कृतिक विविधता को शंकर देव जी ने भक्ति के माध्यम से एकता के सूत्र में पिरोया, लेकिन आज मुझे उन्हीं के स्थान पर माथा टेकने से रोका गया। अमर्यादित सत्ता के विरुद्ध मर्यादा का यह संघर्ष हम आगे बढ़ाएंगे। धरने के दौरान राहुल ने कहा- मैंने कौन-सा अपराध किया है कि मैं मंदिर नहीं जा सकता? क्या पीएम मोदी तय करेंगे कि मंदिर कौन जाएगा। आज क्या सिर्फ एक ही व्यक्ति मंदिर जा सकता है। मैं शंकरदेव की विचारधारा में विश्वास रखता हूं। वे हमारे गुरु की तरह हैं। इसलिए मैंने सोचा था कि जब भी असम आऊंगा, उनका आशीर्वाद जरूर लूंगा। राहुल ने कहा- मुझे 11 जनवरी को इसका न्योता मिला था। लेकिन रविवार को मुझे बताया गया कि यहां कानून व्यवस्था के बिगड़ने का खतरा है। यह संदेह पैदा करता है, क्योंकि गौरव गोगई और अन्य नेताओं को तो नहीं रोका गया, सिर्फ मुझे रोका गया।

असम के सीएम सरमा ने की थी मंदिर न जाने की अपील

असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा ने रविवार को राहुल गांधी से शंकरदेव मंदिर न जाने की अपील की थी। उन्होंने कहा था कि इससे देश में असम की गलत छवि बनेगी। सरमा ने कहा था कि श्रीमंत शंकरदेव एक असमिया सामाजिक-धार्मिक सुधारक हैं। वे कवि, नाटककार और 15-16वीं शताब्दी से असम के सांस्कृतिक और धार्मिक इतिहास में एक विशाल व्यक्तित्व हैं। लेकिन उनकी भगवान राम से तुलना गलत है। इसके अलावा सरमा ने राहुल से सोमवार को अल्पसंख्यक बहुल इलाकों में न जाने की भी अपील की थी। उन्होंने कहा- मेरी राहुल से अपील है कि वह 22 जनवरी को अल्पसंख्यक बहुल इलाकों मोरीगांव, जागीरोड और नीली भी ना जाएं, क्योंकि यहां कानून व्यवस्था बिगड़ने का खतरा बना हुआ है।

मोरीगांव में नुक्कड़ सभा नहीं करने को कहा था प्रशासन ने

गुअसम में मोरीगांव जिले के आयुक्त ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को भारत जोड़ो न्याय यात्रा के तहत सड़क पर नुक्कड़ सभा और पदयात्रा नहीं करने की अपील की है। दरअसल, रविवार को इस यात्रा के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं की गाड़ियों पर हमले किए गए थे। इसी को देखते हुए आयुक्त ने राहुल गांधी को पदयात्रा करने से रोका है। जिला आयुक्त देवाशीष सरमा ने कहा, 'खुफिया इनपुट के आधार पर जिला अधिकारियों को इसमें कुछ शरारती तत्वों के शामिल होने की आशंका है। जो देश में एक साथ दो कार्यक्रम राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा और भारत जोड़ो यात्रा का फायदा उठाकर देश की शांति को भंग करना चाहते हैं।

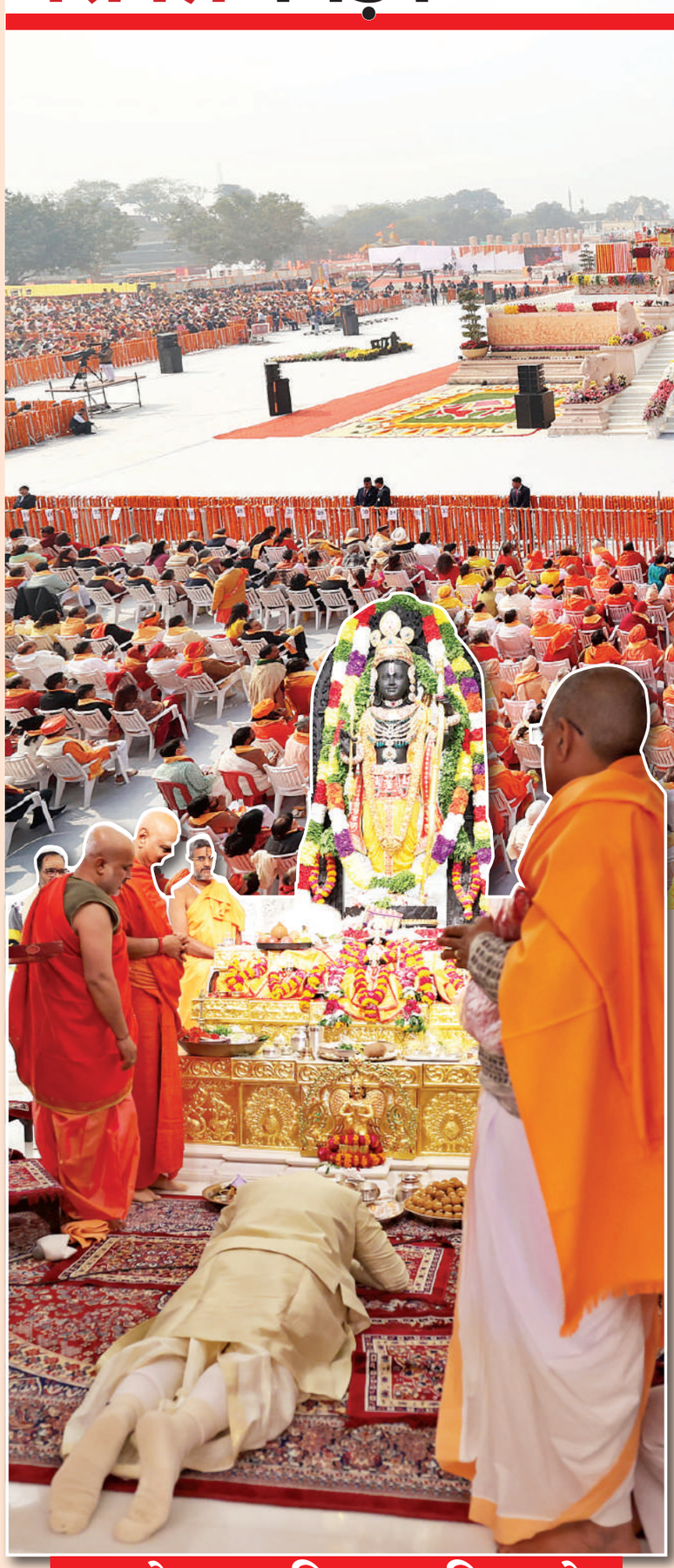

सवेरे चार बजे जागेंगे रामलला

दिन में दो घंटे करेंगे विश्राम

अयोध्या। अयोध्या में राम मंदिर की भव्य प्राण प्रतिष्ठा के साथ 23 जनवरी से राम मंदिर में रामलला की पूजा का विधान तय हो गया है। इसके लिए श्री रामोपासना नाम से संहिता बनाई गई है। नियम के तहत सुबह तीन बजे से पूजन और श्रृंगार की तैयारी होगी। चार बजे रामलला को जगाया जाएगा। पहले पांच बार आरती होती थी, आगे भी वैसे ही होगी। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ ट्रस्ट के अनुसार, रामलला को हर घंटे फल-दूध का भोग लगेगा। हर रोज सुबह 8 बजे से रात 10 बजे तक मंदिर खुलेगा। प्राण प्रतिष्ठा के बाद श्रद्धालुओं की ज्यादा संख्या को देखते हुए मंदिर में दर्शन की अवधि 14 से 15 घंटे हो सकती है। श्री रामलला के वस्त्रों का रंग दिन के अनुसार रहा है। ये परंपरा नए मंदिर में जारी रहेगी। रामलला सोमवार को सामान्य दिनों में सफेद वस्त्र धारण करते हैं, लेकिन विशेष अवसर पर पीले वस्त्र धारण करेंगे। भगवान राम मंगलवार को लाल, बुधवार को हरा, गुरुवार को पीला, शुक्रवार को हल्का पीला या क्रीम कलर, शनिवार को नीला और रविवार को गुलाबी रंग के वस्त्र पहनेंगे। नये बालरूप विग्रह के लिए राम मंदिर ट्रस्ट ने पुणे के हैरिटेज एंड हैंडवीविंग रिवाइवल चैरिटेबल ट्रस्ट से हथकरघे पर कपड़े तैयार करवाए हैं। इनकी बुनाई में देश के 10 से 15 लाख कारीगर शामिल रहे हैं।

आज से यूं रहेगा आरती व दर्शन कार्यक्रम

प्राण प्रतिष्ठा संपन्न होने के बाद 23 जनवरी से ब्रह्म मुहूर्त में करीब 3 बजे से गर्भगृह की स्वच्छता करने, पूजन और श्रृंगार की तैयारी की जाएगी। 3.30 से 4 बजे के करीब, तय समय पर भगवान के दोनों विग्रह और श्रीयंत्र को मंत्रों से जगाया जाएगा। फिर मंगला आरती होगी। इसके बाद विग्रहों का अभिषेक, श्रृंगार भोग होगा। श्रृंगार आरती होगी। यह 4.30 से 5 तक होगी। सुबह आठ बजे से दर्शन शुरू होंगे। दोपहर, करीब एक बजे मध्याह्न में भोग आरती होगी। दो घंटे दर्शन बंद रहेंगे। भगवान विश्राम करेंगे। दोपहर तीन बजे से दर्शन फिर शुरू होंगे, जो रात 10 बजे तक लगातार जारी रहेंगे। इसी बीच, शाम सात बजे संध्या आरती होगी।

भाव विभोर हुए श्रद्धालु एवं संत-महात्मा

रामो राजमणिः सदा विजयते

रामो राजमणिः सदा विजयते रामं रमेशं भजे।
रामेणाभिहता निशाचरचमु रामाय तस्मै नमः।
रामान्नास्ति परायणं परतं रामस्य दासोस्म्यहम्।
रामे चित्तलयः सदा भवतु मे भो राम मामुद्धर।।

राजाओं में श्रेष्ठ श्रीरामजी सदा विजय को प्राप्त होते हैं, मैं उन लक्ष्मीपति श्रीराम का भजन करता हूं। संपूर्ण राक्षस सेना का नाश करने वाले श्रीराम को मैं प्रणाम करता हूं। राम के समान अन्य कोई आश्रयदाता नहीं है, मैं उनका सेवक हूं। मेरा चित्त हमेशा राम में ही लीन रहे। हे राम! मेरा उद्धार कीजिए।

प्रभु ने ये दिव्य आभूषण किए हैं धारण

भगवान ने ये आभूषण किए हैं धारण- सिर पर मुकुट, कानों में कुंडल,गले में रत्न जड़ति कंठा, हृदय में कौसतुभमणि, नाभि से थोड़ा ऊपर पदिक, वैजयंती माला, कमर में करधनी, भुजाओं में भुजबंध, हाथों में कंगन, मुद्रिकाओं से सजी हैं अंगुलियां, पैरों में छड़ा और पैजनियां तथा मस्तक पर पारंपरिक मंगल-तिलक है। इसके अलावा गले में वनमाला, बाएं हाथ में स्वर्ण मंडित धनुष और चरणों में श्रीकमल है।

हर साल 5 से 10 करोड़ तीर्थ यात्री आने की है उम्मीद

नई दिल्ली। सोमवार को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के साथ ही अयोध्या दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक पर्यटन केंद्र बनने की उम्मीद है। अमेरिकी कंपनी जेफ्फेरिज इक्विटी रिसर्च ने अपनी ताजा रिपोर्ट में अयोध्या में सालाना 5-10 करोड़ तीर्थयात्री आने का अनुमान लगाया है, जबकि मक्का में सालाना दो करोड़ व वेटिकन सिटी में सालाना 90 लाख तीर्थयात्री आते हैं। कई विमान कंपनियों ने अयोध्या के लिए उड़ान शुरू करने की घोषणा की है। इस अनुमान के मुताबिक अयोध्या तीर्थयात्री के आगमन के मामले में घरेलू आध्यात्मिक केंद्र को भी पीछे छोड़ देगा। आंध्र प्रदेश स्थित तिरुपति में सालाना 2.5 करोड़, जम्मू स्थित माता वैष्णव देवी के दर्शन करने सालाना 80 लाख तीर्थयात्री आते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि इंफ्रास्ट्रक्चर की अच्छी सुविधा की वजह से अयोध्या बड़ी संख्या में तीर्थयात्रियों को आकर्षित कर सकेगा।

बुनियादी ढांचे पर होंगे 850 अरब रुपए खर्च

रिपोर्ट के मुताबिक, अयोध्या में मंदिर निर्माण से लेकर अन्य इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास पर 850 अरब रुपए खर्च किया जाना है। 14.5 अरब रुपए लगाकर अयोध्या एयरपोर्ट के पहले चरण का काम पूरा किया गया और इस प्रकार के तीन और टर्मिनल का निर्माण किया जाना है। अभी सालाना 10 लाख तो दूसरे चरण का काम पूरा होने के बाद सालाना 60 लाख यात्री अयोध्या हवाई जहाज से आसानी से आ-जा सकेंगे। 2.4 अरब रुपए के निवेश से रेलवे स्टेशन का कायाकल्प किया जा रहा है।

जयपुर एजुकेशन समिट: तीसरे दिन 'राम को क्यों मानें' विषय पर हुई चर्चा

अग्नि की तरह ऊर्जावान रहें, जल की तरह निरंतरता का पालन करें

बेधड़क | जयपुर

जयपुर एजुकेशन समिट-2024 के तीसरे दिन सोमवार को मंच से लेकर श्रोता तक श्री राम के रंग में रंगे नजर आए। एसएस जैन सुबोध लॉ कॉलेज में 5 दिवसीय जयपुर एजुकेशन समिट में स्पीकर्स ने राम की तरह बनने और उनके पद चिन्हों का अनुसरण करने की सीख दी।

टॉक शो में साइन इंटरनेशनल स्कूल की प्रिंसिपल भावना विकास चौधरी ने कहा कि श्रीराम अग्नि और जल का प्रतीक हैं। यहां अग्नि से मतलब ऊर्जा से है। हर एक व्यक्ति को श्रीराम का अनुसरण करते हुए एक अग्नि की तरह ऊर्जावान और जल की तरह प्रतिदिन निरंतरता का पालन करना चाहिए। वहीं, योग गुरु डॉ.आलोक खन्ना ने कहा कि मेरे अंदर जो आध्यात्मिक ज्योति जल रही है, वही श्रीराम है।

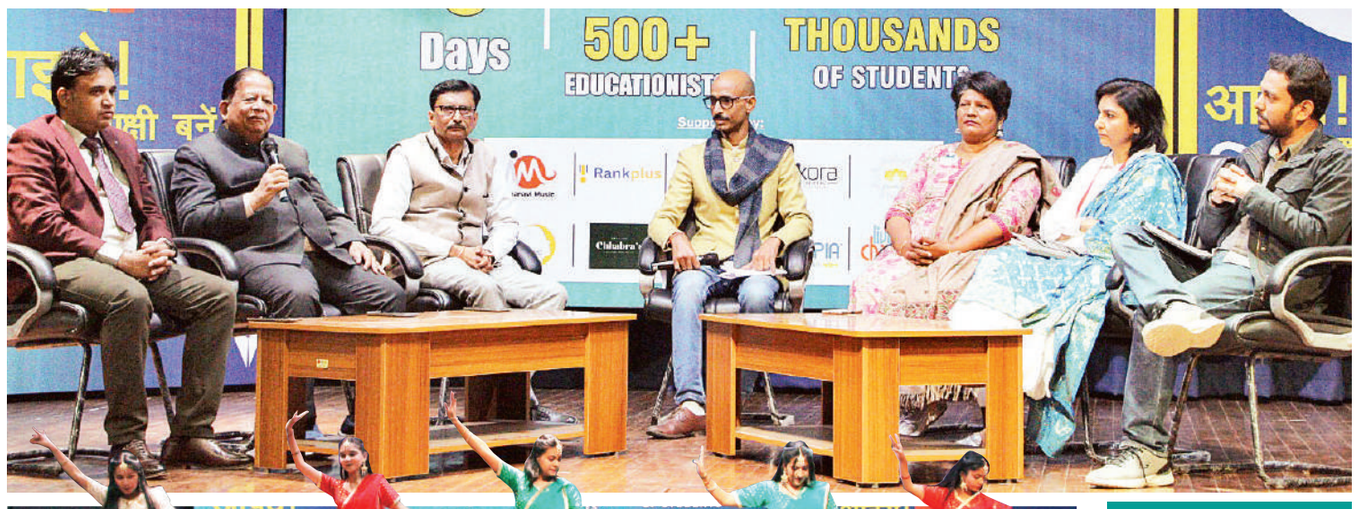

दिन में 5 मिनट राम का नाम जरूरी

एसएस जैन सुबोध लॉ कॉलेज के प्रिंसिपल प्रो. गौरव कटारिया ने इस मौके पर कहा कि अगर आप पूजा करते हैं तो आप सिर झुकाना सीखते हैं और यही विनयशील होने का आधार है। वहीं, मिशन फार्मर साइंटिस्ट परिवार के फाउंडर डॉ. महेंद्र मधुप ने बताया कि श्रीराम के आदर्शों को कथा में नहीं, बल्कि जीवन शैली में अपनाना आवश्यक है। सायकोलॉजी एक्सपर्ट विभा शाह ने कहा कि अनुशासन और आदर्श का नाम ही श्रीराम है। उन्होंने मेडिटेशन पर जोर देते हुए कहा कि अगर पूरे दिन में केवल 5 मिनट मेडिटेशन किया जाए या राम का नाम लें तो जीवन में ठहराव आएगा, जो आज के दौर में जरूरी है। मॉडरेटर के तौर पर सुनील नारनौलिया भी मंच पर मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि भगवन श्री राम मर्यादा के प्रतीक हैं। उनका जीवन संविधान सम्मत आचरण करने का सर्वोत्तम उदाहरण है।

ओपन माइक में भी राम की गूंज

जेईएस-2024 के तीसरे दिन ओपन माइक का भी आयोजन किया गया, जिसमें स्टूडेंट्स ने श्रीराम की कविताओं और भजनों के सहारे मंच को भक्तिमय बनाया। एमजीडी स्कूल की माधुरी पांडे, अनवी, देवांशी खंडेलवाल, आध्या रावत, लॉ कॉलेज के हर्षवर्धन पांडे, भव्य शर्मा, केशु रावत और श्रीमती लवलीना माथुर ने अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों की तालियां बटोरी। सोशल मीडिया पर हुई एक डिबेट में लॉ कॉलेज के बच्चों ने भाग लिया।

प्रेसिडेंट एकादश ने मैच जीता

बेधड़क. जयपुर। माथुर सभा की ओर से आजाद मैदान जगतपुरा में रविवार को वार्षिक क्रिकेट मैच खेला गया। प्रेसिडेंट इलेवन ने यह मैच 3 विकेट से जीता। वाइस प्रेसिडेंट इलेवन ने 131 रन बनाए। ऋषभ ने सर्वाधिक 35 रन बनाए। अमन, अक्षत और अतिन ने 2-2 विकेट चटकाए। जवाब में प्रेसिडेंट इलेवन ने 7 विकेट पर यह लक्ष्य हासिल किया। मैन ऑफ द मैच सिद्धार्थ ने 3 विकेट लिए। बेस्ट बैट्समैन का खिताब कार्तिक को मिला।

लाइव म्यूजिक कंसर्ट 10 को

बेधड़क. जयपुर। राजधानी में पड़ रही कड़ाके की ठंड के बीच पिंकसिटी का तापमान बढ़ाने देश विदेश के मशहूर सिंगर आ रहे हैं। ये सब किरोरीवाल प्रोडक्शन के द्वारा बीटू बायपास केवेलो पोलो क्लब में 10 फरवरी को आयोजित किए जा रहे लाइव म्यूजिक कंसर्ट 'एलिसियम द म्यूजिकल एक्स्ट्रा' में प्रस्तुति देंगे। हरियाणा के डीजी इम्मोर्टल्स, खासा आला चाहर, ऑस्ट्रेलिया से पहली बार भारत आ रहे ढांडा न्योलीवाला और इटली के डीजे ऑली एस्से परफॉर्म करेंगे। इटली के डीजे एस्से की जोशीली और थिरकती धुनों पर मोर्टल्स बावली और कलेशी छोरी हिपहॉप से हरयाणवी तड़का लगाएंगे। हरियाणवी सिंगर खासा भी ऑन फ्लोर अपनी परफॉर्मेंस का जादू बिखेरेंगे। ढांडा न्योलीवाला कंसर्ट को अपनी जादुई आवाज से यादगार बनाएंगे।

हस्तशिपियों को मिला सम्मान

बेधड़क. जयपुर। जोधपुर स्थित राष्ट्रीय प्रोधोगिकी संस्थान निफ्ट के 39वें स्थापना दिवस पर जयपुर के 4 हस्तशिल्पियों को एक्सीलेंस इन हैंडीक्राफ्ट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। इसमें चंदन चितेरे शिल्पगुरू विनोद जांगिड़, तार काशी में शिल्पगुरु पुरस्कर प्राप्त मोहन लाल शर्मा (जांगिड़), कुंदन मीनाकारी में राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित गुलाब सिंह, कुन्दन मीनाकारी कला में नेशनल इनोवेशन अवॉर्ड से सम्मानित धर्मेन्द्र सिंह बल्ला का सम्मान किया गया।

City इवेंट्स

26 को सैम बहादुर का OTT प्रीमियर

बेधड़क. जयपुर। विकी कौशल स्टारर फिल्म सैम बहादुर जल्द ही ओटीटी पर देखने को मिलेगी। इसका प्रीमियर जी 5 पर 26 जनवरी को किया जाएगा। यह मूवी भारत के पहले फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ की बायोपिक है। फिल्म का डायरेक्शन मेघना गुलजार ने किया है और रोनी स्क्रूवाला इसके निर्माता हैं। विकी कौल की यह मूवी हिट रही है। करीब साठ करोड़ में बनी सैम बहादुर ने 130 करोड़ रुपए की वर्ल्डवाइड कमाई की है।

Jkk में 'ताम्रपत्र' का मंचन आज

बेधड़क. जयपुर। जयपुर कला संसार के अंतर्गत जवाहर कला केन्द्र एवं सार्थक थियेटर ग्रुप के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार, 23 जनवरी को शाम 6:30 बजे रंगायन में नाटक ताम्रपत्र का मंचन किया जाएगा। नाटक के लेखक देवाशीष मजूमदार व निर्देशक साबिर खान हैं। नाटक में मुनीम की नौकरी से रिटायर एक व्यक्ति के जीवन के संघर्ष को भावपूर्ण तरीके से प्रस्तुत किया जाएगा।

चेची यूथ प्रकोष्ठ के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष

बेधड़क. जयपुर। रोहित सिंह चेची को राजस्थान गुर्जर महासभा युवा प्रकोष्ठ का प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति राजस्थान गुर्जर महासभा प्रदेश कार्यसमिति की 20 जनवरी को हुई बैठक में लिए गए निर्णय के क्रियान्वयन में प्रदेशाध्यक्ष कालूलाल गुर्जर के निर्देशानुसार की गई है। चेची को यथाशीघ्र अपनी प्रदेश कार्यसमिति एवं प्रदेश के सभी जिलों में युवा प्रकोष्ठ कार्यसमिति का गठन करके प्रदेश कार्यालय को सूचित करने को कहा गया है। चेची ने इस मौके पर कहा कि राजस्थान गुर्जर महासभा के उद्देश्यों को अपने कार्यक्षेत्र में लागू करने तथा संगठन कार्य को सुदृढ़ रूप से क्रियान्वित करने का कार्य करेंगे।

10 दिन में फिल्म की कमाई 200 करोड़ के पार

जय हनुमान होगा हनुमान का सीक्वल, फर्स्टलुक पोस्टर जारी

बेधड़क | जयपुर

फिल्म में कोई बड़ा स्टार नहीं है। मुकाबले में भी महेशबाबू जैसे सुपरस्टार की फिल्म गुंटूरकारम है। इसके बावजूद यह बॉक्स ऑफिस पर दौड़ रही है और वह भी विनर बनकर। बात हो रही है तेजा साजा स्टारर फिल्म हनुमान की। मेकर्स इससे बहुत खुश हैं। यही कारण है कि फिल्म इधर अभी सिनेमाघरों में दर्शक खींच रही है और उधर इसके सीक्वल का अनाउंस कर दिया गया है। डायरेक्टर प्रशांत वर्मा ने स्क्रिप्ट हाथ में लिए अपने फोटो के साथ ही मूवी का फर्स्टलुक पोस्टर सोशल मीडिया पर शेयर किया है।

गौरतलब है कि हनुमान ने रिलीज के दसवें दिन 200 करोड़ के क्लब में एंट्री मार ली है। यह उपलब्धि हासिल करने वाली 2024 की यह पहली मूवी है। इसके साथ ही डायरेक्टर प्रशांत वर्मा की भी 100 करोड़ और 200 करोड़ के क्लब में शामिल होने वाली पहली मूवी है। फिल्म बॉक्स आफिस पर अभी गदर काट रही है। दसवें दिन भी मूवी ने 23 करोड़ 91 लाख रुपए का वर्ल्डवाइड कलेक्शन किया है। इसके साथ ही मूवी ने 10 दिन में 209 करोड 6 लाख रुपए की वर्ल्डवाइड कमाई कर ली है। फिल्म ने 21 करोड़ 23 लाख रुपए के कलेक्शन के साथ ओपनिंग ली थी और रिलीज के दसवें दिन भी कमाई पहले दिन से ज्यादा है।

राम भक्ति में डूबा शिव ज्योति पार्क

2200 दीपकों से सजाया राम दरबार, रामधुनी पर झूमे भक्त

बेधड़क | जयपुर

ज्योतिनगर स्थित शिव ज्योति पार्क सोमवार को राम के रंग में रंगा रहा। अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर यहां पर राम दरबार सजाया गया और शाम को 2200 दीपक जलाए गए। आयोजक जेपीबी सोशल फाउंडेशन के निदेशक पदम जैन बिलाला और सीए पारस बिलाला ने बताया कि दीपकों से जय श्री राम, ॐ, स्वस्तिक आदि की सुहानी रोशनी सभी का मन मोह रही थी। भक्तजन वहां पर बने सेल्फी स्टैंड पर राम दरबार के साथ सेल्फी ले रहे थे। कार्यक्रम की शुरुआत राम दरबार में माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन से हुई तथा समापन पर राम लला की आरती की गई और प्रसादी का वितरण किया गया।

फाउंडेशन के युवा सीए और सी एस सदस्यों द्वारा सजावट और दीप प्रज्वलन किया गया। कार्यक्रम में आशीष सराफ, डॉ. श्याम अग्रवाल, सीए रोहित रुवातिया, सीए श्रुति सिंगल, एड. जितेंद्र मोहन, मनोज जांगिड़, जगदीश सेनी, एड. नवीन सेठी, रोटेरियन जीएल जैन, महेश सोगानी, अनिल जैन, सी एस दीपक अरोड़ा, सी एस संदीप जैन, अजय जैन, ऋषभ जैन, सुकेश काला, सोभाग अजमेरा, महेश काला, धनजी शाह, राजेंद्र ठोलिया, तारा चंद गोधा, अक्षय जैन आदि की रही। कार्यक्रम में संगीत जीतू गंगवाल एंड पार्टी का रहा।

रामोत्सव | पर्यटकों ने खजाना महल में की भगवान राम की पूजा

रामसेतु कुंड के तैरते पत्थरों को छूकर भावुक हुए 'पावणे'

बेधड़क | जयपुर

राम लला की अयोध्या में हुई प्राण प्रतिष्ठा को शहरभर में दिवाली के त्योहार के रूप में मनाया गया। इस मौके पर जैम्स एंड ज्वेलरी के म्यूजियम खजाना महल में सोमवार को राम सेतु के तैरते पत्थरों की पूजा अर्चना कर प्रसादी का वितरण किया गया।

इस मौके पर पर्यटकों ने 13650 कैरट की बेशकीमती रूबी पत्थर से बनी राम दरबार की मूर्ति की भी पूजा अर्चना की। बंगाल से आई दो महिला पर्यटक इन अद्भुत पत्थरों को छूकर इतनी भावुक हो गईं कि अश्रुधारा बहने लगी। खजाना महल के फाउंडर डायरेक्टर अनूप श्रीवास्तव ने बताया कि रामेश्वरम् के बाद खजाना महल ही संभवतः ऐसा स्थान है जहां के कुंड में सात राम नामी अद्भुत पत्थर लंका पर विजय गाथा के साक्षी होने का साक्षात प्रमाण दे रहे हैं।

अब रोज पूजे जाएंगे राम सेतु पत्थर

श्रीवास्तव ने कहा कि अब से रोजाना इस राम सेतु कुंड में तैरते पत्थरों की पूजा अर्चना की जाएगी। अनूप बताते हैं कि वैसे तो यह पत्थर लगभग एक वर्ष से इस कुंड में तैर रहें हैं और पर्यटक इसको उत्सुकता के साथ देखते भी है, पर जब से राम लला की अयोध्या में स्थापना की घोषणा हुई है प्रभु श्रीराम के संघर्ष और लंका विजय के प्रतीक रामसेतु के पवित्र पत्थरों को देखने का नजरिया लोगों में पवित्र पावन हो गया है। अब ये मात्र दर्शनीय नहीं रहे, बल्कि पूजनीय हो गए।

उल्का पिंड भी बड़ा आकर्षण

श्रीवास्तव ने बताया कि जल महल जयपुर स्थित खजाना महल देश का पहला ऐसा अनूठा म्यूजियम है जहां आपको ब्रह्मांड के लगभग सभी पत्थर तथा ज्वेलरी देखने को मिलेगी। इनमें राम सेतु के पत्थर के अलावा टूटा तारा, जिसे उल्का पिंड कहा जाता है उसको भी आप साक्षात देख सकते हैं।

पोस्टल रजि. नं. : जयपुर सिटी/006/2023-25

न्यूज़ बेधड़क

सच बेधड़क

जयपुर, मंगलवार, 23 जनवरी, 2024

10

सारा जग है प्रेरणा, प्रभाव सिर्फ राम हैं,
भाव सूचियां बहुत हैं, भाव सिर्फ राम हैं।

विनायक शर्मा, फाउंडर एंड एडिटर इन चीफ, सच बेधड़क मीडिया ग्रुप

18 घर मलबे में दबे, 500 लोगों को निकाला गया, 47 अभी भी लापता

न्यू चीन के युन्नान प्रांत में भूस्खलन

एजेंसी | बीजिंग

दक्षिण पश्चिम चीन के पर्वतीय युन्नान प्रांत में सोमवार को भूस्खलन में 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि 40 से अधिक अन्य लोग लापता हो गए। हैं। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ की खबर के अनुसार, यह हादसा बीजिंग के समयानुसार सुबह पांच बज कर 51 मिनट पर झाओतोंग शहर के लियांगशुई गांव में हुआ।

भूस्खलन प्रभावित इलाकों से 500 से अधिक लोगों को निकाल लिया गया। इसके साथ ही भूस्खलन के बाद मलबे में दबे लोगों को बचाने के प्रयास किए जा रहे हैं। भूस्खलन के बाद लापता दो लोग मृत पाए गए हैं। बचाव अधिकारियों ने बताया कि 18 मकानों में दबे

47 पीड़ितों की तलाश की जा रही है। दमकल के 33 दमकल वाहनों और 10 लोडिंग मशीन के साथ 200 से अधिक बचावकर्मियों को लापता लोगों की तलाश में लगाया गया है। चीन के प्रधानमंत्री ली क्विंग ने भी लियांगशुई में हरसंभव बचाव प्रयास का आदेश दिया और इलाके की ऊंचाई और जातीय विविधता को ध्यान में रखते हुए सामाजिक स्थिरता बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया। भूस्खलन की वजह का अभी पता नहीं चला है। स्थानीय मौसम पूर्वानुमान में कहा गया है कि शहर में मंगलवार को हल्की बर्फबारी होगी और न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे तीन डिग्री सेल्सियस रह सकता है।

अयोध्या में रामलला मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का दुनियाभर में जश्न

न्यूयॉर्क से लेकर सिडनी तक जय श्रीराम की गूंज

एजेंसी | वॉशिंगटन

अयोध्या में रामलला प्राण प्रतिष्ठा संपन्न हो गया है। भारत के साथ ही पूरी दुनिया के हिंदू ने रामलला के विराजमान होने का जश्न मना रहे हैं। अमेरिका से लेकर फ्रांस में मौजूद हिंदू इसे लेकर कुछ खास उत्साहित हैं। कई जगहों पर लड्डू बांटे गए। वहीं अमेरिका में कई जगहों पर रामलला की झांकी निकाली गई। इस मौके पर दुनियाभर में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। अमेरिका, ब्रिटेन मॉरिशस, ऑस्ट्रेलिया, नेपाल और ताइवान में प्राण प्रतिष्ठा पर विभिन्न प्रकार के आयोजन किए गए। कहीं पर कार रैली निकाली गई, तो कहीं बिलबोर्ड लगाए गए। दुनिया के अलग-अलग देशों के हिंदू धर्मावलंबियों ने इस समारोह की लाइव स्ट्रीमिंग देखी। ऑस्ट्रेलिया के हिंदू कम्युनिटी के लोग हाथों में भगवा झंडा लिए जय श्रीराम के जयकारे लगाते नजर आए। ऑस्ट्रेलिया में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के मौके पर लोगों ने जमकर आतिशबाजी की। मेक्सिको को क्वेरेटारो में पहले राम मंदिर का शुभारंभ हुआ। मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा एक अमेरिकी पुजारी ने की। इस दौरान प्रवासी भारतीयों ने भजनों और धार्मिक गीतों की प्रस्तुती दी। प्रवासी भारतीयों द्वारा गाए गए भजनों और गीतों की गूंज से वातावरण दिव्य ऊर्जा से भर गया।

टाइम्स स्क्वायर पर रामभक्तों ने लगाए नारे

अमेरिका के टाइम्स स्क्वायर पर सोमवार को राम भक्तों की भारी भीड़ जुटी। हाथों में भगवा झंडा थामे हिंदू कम्युनिटी के लोगों ने जय श्रीराम के नारे लगाए। इसके साथ ही टाइम्स स्क्वेयर के बिलबोर्ड पर भगवान राम की तस्वीर लगाई गई। टाइम्स स्क्वायर पर ओवरसीज फ्रेंड्स ऑफ राम मंदिर नामक संगठन के सदस्यों ने हिंदु समुदाय के लोगों के बीच लड्डू का बांटे। संगठन के सदस्य प्रेम भंडारी ने कहा कि अमेरिका में भी प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर लोगों में काफी उत्साह है।

ब्रिटेन के मंदिरों में महाआरती

ब्रिटेन में भी अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर करीब 200 मंदिरों को सजाया गया है। लंदन में निकाली गई कार रैली में 325 कारें शामिल हुईं। इसमें शामिल लोगों ने जय श्री राम के नारे लगाए। हिंदूओं ने मंदिरों में महाआरती भी की। इसके साथ ही मंदिरों में रामयाण पाठ और भंडारे भी किए गए।

स्थापित होगी हनुमानजी की प्रतिमा

प्राण प्रतिष्ठा समारोह के अवसर पर अमेरिका के न्यू जर्सी स्थित ऊं श्री साई बालाजी टेंपल एंड कल्चरल सेंटर मोनरोई को एकल पत्थर से निर्मित भगवान हनुमान की मूर्ति पहुंच गई। इसे मंदिर में स्थापित किया जाएगा।

लोगों ने जमकर की आतिशबाजी

ऑस्ट्रेलिया के हिंदू कम्युनिटी के लोग हाथों में भगवा झंडा लिए जय श्रीराम के जयकारे लगाते नजर आए। ऑस्ट्रेलिया में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के मौके पर लोगों ने जमकर आतिशबाजी की।

रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध अपने चरम पर

रूस के कब्जे वाले यूक्रेनी इलाके पर बमबारी

एजेंसी | कीव

रूस के कब्जे वाले एक यूक्रेनी बाजार पर की गई बमबारी में 27 लोगों की मौत हो गई। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि हमला रविवार सुबह दोनेत्स्क शहर के उपनगर तेकस्तिलशचिक में किया गया। दोनेत्स्क में रूस की ओर से नियुक्त शीर्ष अधिकारी डेनिस

पुशिलिन ने बताया कि हमले में 25 लोग घायल भी हुए हैं। बमबारी यूक्रेनी सेना की ओर से की गई। क्षेत्र में मौजूद यूक्रेनी सेना के एक ग्रुप ने हमले से इनकार किया है।

स्थानीय अधिकारियों ने कहा कि रविवार को रूस के उस्त-लुगा बंदरगाह पर एक रासायनिक परिवहन टर्मिनल में दो विस्फोटों के बाद आग लग गई। स्थानीय मीडिया ने बताया कि बंदरगाह पर यूक्रेनी ड्रोन की ओर से हमला किया गया था, जिससे एक गैस टैंक में विस्फोट हो गया और आग फैल गई। रूस स्थित किंगिसेप क्षेत्र में बंदरगाह के प्रमुख यूरी जापलात्स्की ने एक बयान में कहा कि घटना में कोई हताहत नहीं हुआ, लेकिन जिले को 'हाई अलर्ट' पर रखा गया है।

बैटरी हुई खत्म

चांद पर सो गया जापान का लैंडर

एजेंसी | टोक्यो

जापान के चंद्रमा लैंडर का संपर्क पृथ्वी से टूट गया है। स्मार्ट लैंडर फॉर इन्वेस्टिगेटिंग मून SLIMसौर ऊर्जा में खराबी के कारण बंद हो गया। इस कारण जापान का मिशन खतरे में पड़ गया है। सोलर पैनल में खराबी के कारण इसकी बैटरी चार्ज नहीं हो पा रही। लैंडर बंद होने की कोई आधिकारिक सूचना नहीं आई है, लेकिन अनुमान लगाया जा रहा है कि बैट्री डिस्चार्ज हो चुकी होगी। हालांकि SLIM लैंडर के जरिए जापान का चंद्रमा मिशन कामयाब रहा। जापान पहली बार लैंडर चंद्रमा की सतह पर पहुंचाने में कामयाब रहा। माना जा रहा है कि लैंडर का सोलर पैनल गलत दिशा में है। इस कारण इस पर रोशनी नहीं पड़ रही। अगले महीने सूर्य की दिशा बदलने की उम्मीद जताई जा रही है। अंतरिक्ष एजेंसी के प्रमुख हितोशी कुनिनका ने स्थिति को समझाते हुए कहा था कि चंद्रमा पर सौर कोण बदलने में 30 दिन लगते हैं। ऐसे में जब सौर कोण बदलेगा तो प्रकाश दूसरी तरफ से आएगा। इससे प्रकाश सौर सेल से टकरा सकता है।

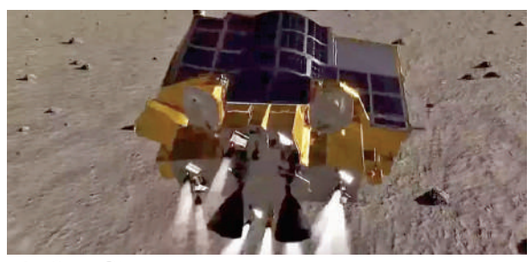

अंतरिक्ष में जापान का कमाल

जापान चांद पर पहुंच कर उस एलीट स्पेस क्लब का हिस्सा बन गया जहां अभी तक सिर्फ चार देश थे। जापान से पहले रूस (सोवियत संघ), अमेरिका, चीन और भारत चांद पर जा चुके हैं। भारत के चंद्रयान-3 मिशन ने पिछले साल अगस्त में चंद्रमा पर लैंडिंग की थी। कई देश और कंपनियां चंद्रमा पर जाने की योजना बना रही हैं। नासा का भी लक्ष्य है कि एक बार फिर इंसान को चांद पर पहुंचाया जाए। वहीं भारत और जापान मिलकर चंद्रमा से जुड़ा मिशन चलाएंगे।

चांद पर लैंडर पहुंचाने वाला 5वां देश बना जापान

चांद पर लैंडिंग के जरिए जापान ने अंतरिक्ष विज्ञान में एक नया इतिहास रच दिया था। जापान चांद पर लैंडर पहुंचाने वाला पांचवां देश बन गया, लेकिन इस दौरान यह जहां उतरा वहां छाया आ रही थी। हालांकि जापान का मिशन कुछ हद तक कामयाब रहा। इस लैंडर को मून स्नाइपर कहा जाता है, क्योंकि यह सटीक लैंडिंग कर सकता है। जहां दूसरे स्पेसक्राफ्ट को लैंडिंग के लिए कई किमी का एरिया दिया जाता है। जापान के स्लिम लैंडर ने सिर्फ 100 मीटर के एरिया में सटीक लैंडिंग की थी।

सृष्टिविनायक एंटरटेनमेंट मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक मिताली यादव द्वारा सच बेधड़क दैनिक हिन्दी अखबार, 34/16-ए, शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर-302020 (राजस्थान) से प्रकाशित एवं भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, रेलवे क्रॉसिंग टोंक रोड, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित।
संपादक: विनायक शर्मा*, **फोन नं. :** 9664014179 (ऑफिस), **ई-मेल:** news@sachbedhadak.com, **RNI No. :** RAJHIN/2021/82557 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।

दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

"सच बेधड़क" दैनिक हिन्दी अख़बार की प्रति PDF के माध्यम से मुफ़्त प्राप्त करने के लिए इस लिंक पर Click कीजिए

Telegram

https://rb.gy/3bkrnl